डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 20 | अंक : 29 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 18 अगस्त से 24 अगस्त 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

रॉयल पत्रिका की ओर से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें?और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

राजस्थान हज कमेटी को कब मिलेगा चेयरमैन ?

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हज 2026 के फॉर्म भरने का कार्य पूरा हो गया है और 2026 हज की तैयारियों का काम जारी है। राजस्थान हज कमेटी चेयरमैन का कार्य फरवरी 2025 में ही समाप्त हो चुका है। बिना हज कमेटी चेयरमैन के प्रदेश के हाजियों की समस्याएं हल नहीं हो पाती है। राजस्थान हज कमेटी में पूर्ण कालिक हज कमेटी अधिशाषी अधिकारी भी नहीं है। जिस अधिकारी को हज कमेटी अधिशाषी अधिकारी का अतिरिक्त चार्ज दे रखा है उसके पास पहले से ही दूसरे विभागों के चार्ज हैं। भाजपा सरकार में वैसे तो माना जाता है कि अल्पसंख्यक वर्ग उनकी प्राथमिकता में नहीं है। लेकिन फिर भी भाजपा का अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश में मजबूत स्थिति में है। मोर्चा में कई मुस्लिम कार्यकर्ता है जो भाजपा के लिए दिन-रात काम करते रहते हैं। यदि भाजपा अपने किसी मुस्लिम कार्यकर्ता को हज कमेटी का चेयरमैन बनाता है तो मुस्लिम वर्ग में एक अच्छा संदेश जाएंगा। हज कमेटी में अभी हाजियों की समस्याओं को सुनने, समझने एवं हल करने वाला नहीं है। हाजियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं में भी हज चेयरमैन और सदस्यों की नियुक्ति से उत्साह आ जाएंगा और पार्टी के लिए पहले से ज्यादा काम करने लगेंगें।

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए एवं इंडिया गठबंधन में रोचक मुकाबला होगा

-इंडिया गठबंधन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम से गठबंधन नहीं करना चाहता है

-जन स्वराज पार्टी प्रमुख प्रशांत किशोर का कहना है कि भाजपा को हराने के लिए सभी सेक्युलर राजनीतिक दलों को एक साथ आना चाहिए

-इंडिया गठबंधन और एआईएमआईएम का भविष्य मुस्लिम वोटरों के हाथ में

एम. खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बिहार में मतदाता सूची पूर्निरीक्षण कार्य (SIR) को लेकर चुनाव आयोग और विपक्षी दलों में घमासान अब सड़कों पर आ गया है। SIR के विरोध में संसद में विपक्षी दल के नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल के नेता एवं बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मतदाता अधिकार यात्रा सोमवार से शुरू कर दी है। मतदाता अधिकार यात्रा में बिहार की जनता भारी संख्या में उमड़ रही है।

इससे माना जा रहा है कि भाजपा, जनता दल यूनाइटेड, लोजपा, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा का संयुक्त गठबंधन एनडीए और कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल सहित अन्य छोटे दल जो इंडिया गठबंधन में शामिल दलों में रोचक मुकाबला होने जा रहा है। बिहार में चुनाव आयोग पर सत्ताधारी पार्टी के समर्थन के आरोप लग रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव आयोग को भविष्य में सख्त निर्देश मिलने की संभावना है। बिहार चुनाव एनडीए और इंडिया गठबंधन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

बिहार में दलित, पिछड़े वर्ग एवं मुस्लिम वर्ग के वोटरों की बड़ी संख्या है। स्वर्ण वर्ग बिहार में पूरी तरह भाजपा के साथ है। तो कुर्मी वोटर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ हैं। यादव वर्ग के वोटर इस बार तेजस्वी यादव के साथ दिखाई दे रहा है। दलित वोटर लोजपा, हम, राजद, जेडीयू, भाजपा एवं कांग्रेस सब में बटता है। इसी तरह मुस्लिम वोटर राजद, कांग्रेस, एआईएमआईएम एवं जेडीयू में बटता है। इसलिए कहा जा सकता है कि कोई भी जाति वर्ग किसी एक दल के साथ पूरी तरह मजबूती से नहीं है।

इंडिया गठबंधन एवं एआईएमआईएम-

इंडिया गठबंधन में प्रमुख रूप से कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल मुख्य राजनीतिक दल है। राहुल गांधी को देश का सेक्युलर नेता माना जाता है और इसी तरह लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव को मुसलमान का हितेषी नेता माना जाता है। कांग्रेस और राजद को बिहार के 20 प्रतिशत मुसलमानो के वोट चाहिए जिससे बिहार की सत्ता उनके हाथ लग जाए। लेकिन इन नेताओं और पार्टियों को मुस्लिम मुद्दों पर बोलने वाले नेता नहीं चाहिए। इसीलिए बिहार एआईएमआईएम अध्यक्ष अख्तरूल ईमान की इंडिया गठबंधन में शामिल करने की अपील का इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कोई जवाब नहीं दिया। अख्तरुल ईमान ने इंडिया गठबंधन के नेताओं को पत्र लिखा है कि सेक्युलर वोटरों के विभाजन को रोकने के लिए एआईएमआईएम को इंडिया गठबंधन में शामिल करना चाहिए। लेकिन पत्र का अभी तक कोई जवाब नहीं दिया गया है। इंडिया गठबंधन के नेताओं की इच्छा रहती है कि मुस्लिम वोटरों के समर्थन से उनको सत्ता की कुर्सी मिल जाए लेकिन उनको होनहार मुस्लिम लीडर स्वीकार नहीं है। पिछले विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम पार्टी ने 5 से 6 सीटे जीती थी और दर्जनों सीटों पर दूसरे नंबर पर रही थी। इस बार एआईएमआईएम ने बिहार विधानसभा चुनाव में 100 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। बिहार का मुस्लिम वर्ग इस बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी वक़्फ़ संशोधित बिल को लेकर नाराज है।

शेष पृष्ठ 2 पर....

फ्रेंड्स पब्लिक स्कूल में 79 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर में आज़ादी का जश्न बढ़े धूमधाम से मनाया गया। इसी कड़ी में शहर के फ्रेंड्स पब्लिक माध्यमिक विद्यालय में भी स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षौल्लास से मनाया गया। संस्था प्रधान हसीना बानो ने बताया कि विद्यालय में 8बजे ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान के बाद विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों ने देश भक्ति गीत,ओर नृत्य पेश किए। कार्यक्रम के बाद सभी बच्चों को अतिथियों द्वारा इनाम ओर मिठाई वितरित की गई। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अब्दुल सईद रि.सहायक कोषाधिकारी व मिर्जा आलमगीर बैग रहे। विद्यालय के समस्त स्टॉफ ने कार्यक्रम में अपना पूर्ण योगदान दिया।

बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र में जरूरतमंदों तक राहत सामग्री पहुंचाई

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर के पुराने शहर में पिछले दिनों अधिक बारिश के कारण हुए नुकसान से लोग काफी आहत हैं ऐसे में लोगों की पीड़ा को समझते हुए खिदमतगार ग्रुप की तरफ से बाढ पीड़ितों को राशन के किट बांटे गए। खिदमतगार ग्रुप पिछले 7 वर्ष से अपनी खिदमत को अंजाम दे रहा है चाहे वह कोरोना काल हो या गरीब लड़की की शादी हो, गरीब बच्चे की तालीम या अन्य ओर भी मदद हो। खिदमतगार ग्रुप बढ चढकर हिस्सा लेता हे। सभी जरूरतमंदों की मदद करते है।

भामाशाह कुड़ी ने देवबक्स की ढाणी,टोडी को कम्प्यूटर भेंट किया

-79वें स्वतंत्रता दिवस पर शिक्षा को मिला तकनीक का तोहफ़ा

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर कस्बे में शिक्षा जगत को एक अनमोल सौगात मिली। भामाशाह एडवोकेट मोहनलाल कुड़ी ने राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय देवबक्स की ढाणी, टोडी को कम्प्यूटर भेंट कर विद्यालय परिवार और विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशियां बिखेर दीं। विद्यालय के संस्था प्रधान डॉ. राघवेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि कुड़ी साहब विद्यालय विकास के लिए पहले भी 60,000 रुपए का योगदान कर चुके हैं। अब कम्प्यूटर मिलने से विद्यालय को ऑनलाइन कार्यों के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा और विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा की दिशा में बड़ा लाभ मिलेगा। विद्यालय परिवार ने इसे स्थायी समाधान बताते हुए भामाशाह कुड़ी साहब का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस योगदान से ग्रामीण अंचल के बच्चों की शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। गांव-गांव में चर्चा है कि जब समाजसेवी आगे आते हैं, तो शिक्षा और तकनीक दोनों को नई उड़ान मिलती है।

ग़ज़ल

दर्द में किसी को पुकारता नहीं है
मारता है बस वो दहाड़ता नहीं है
बियाबां में अब रहने दो बुतों को
परिस्तिश कहीं कोई करता नहीं है
सुलगती हैं चिनगारियां सी बदन में
मगर शोलों सा क्यूं दहकता नहीं है
अज़ानें दिलों से गुज़रतीं है लेकिन
नमाज़ी घरों से निकलता नहीं है
दलीलें मोहब्बत में होती नहीं है
अंधेरों से कहीं प्यार रुकता नहीं है
लगामें लगाना ज़रुरी है हम - दम
हदें हों तो किरदार बिगड़ता नहीं है

तख़लीक़:- फ़ज़लुर्रहमान

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

किरण यादव (सरपंच) को यादव महिला समाज में चौमूं तहसील अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत सान्दरसंर के स्थित ठोठवालो ढाणी में जयपुर जिला महिला यादव समाज की अध्यक्ष वंदना यादव ने महिलाओं की एक बैठक का आयोजन रखा। इस बैठक में जिला अध्यक्ष यादव ने मौके पर महिलाओं को आगे आने की बात कही और मौके पर ही सान्दरसंर सरपंच किरण यादव को समाज के लोग एवं महिलाओं सर्वसम्मति से चौंमू तहसील महिला यादव समाज की अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया। जयपुर जिला देहात यादव समाज अध्यक्ष वंदना यादव व समाज यादव समाज के लोगों ने अध्यक्ष पद पर मनोनीत होने पर माला पहनाकर तथा साल ओढाकर सम्मान किया तथा धन्यवाद दिया। इस मौके पर महिला जिला अध्यक्ष वंदना यादव ने महिलाओं को आगे लाने एवं समाज में महिलाओं को भागीदारी निभाने की जिम्मेदारी दी है। इस कार्यक्रम में सोनी देवी, राजू देवी, कमला देवी, ममता देवी सूरज देवी, अनीता देवी, लाडा देवी, मंगली देवी, सरपंच पति अशोक ठोठवाल, हाडौता से कमल किशोर यादव, वरिष्ठ पत्रकार भगवान सहाय खातोदिया, अमन यादव, सचिन यादव आदि उपस्थित थे ।

बाढ़ आपदा को लेकर एडवोकेट अब्दुल हासिब ने लोक अदालत में लगाई याचिका

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर 29 एवं 30 जुलाई की रात्रि को हुई तेज बारिश के बाद जिला मुख्यालय पर आयी बाढ़ आपदा को लेकर जिला मुख्यालय के मनिहारी मोहल्ला शहर निवासी एडवोकेट अब्दुल हासिब पुत्र अब्दुल खालिद ने स्थायी लोक अदालत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर में अपील दायर की है। जिसे लोक अदालत में स्वीकार कर लिया गया है जिसकी आगामी सुनवाई 28 अगस्त को होनी है। एडवोकेट अब्दुल हासिब द्वारा दायर की अपील में राजस्थान राज्य को जरिये जिला कलेक्टर सवाईमाधोपुर, आयुक्त नगर परिषद सवाई माधोपुर, अधीक्षण अभियंता, राजस्थान स्टेट रोड डवलपमेण्ट एण्ड कॉरपोरेषन लिमिटेड तथा संवेदक, एलीवेटेड रोड शहर सवाई माधोपुर को जरिये अधीक्षण अभियंता, राजस्थान स्टेट रोड डवलपमेण्ट एण्ड कॉरपोरेषन लिमिटेड (आरएसआरडीसी) सवाई माधोपुर को पार्टी बनाया गया है। दायर की गई अपील में बताया गया है कि जिला मुख्यालय का सबसे बड़ा प्राकृतिक लटिया नाला शहर राजबाग से निकलकर सूरवाल बॉध में जाकर मिलता है। जिला प्रशासन की अनदेखी के कारण लटिया नाले के दोनों किनारों पर भुमाफिया द्वारा पट्टे जारी कर दिये गये। वहीं नगर परिषद द्वारा लटिया नाले को डम्पिंग यार्ड बनाया हुआ जिसमें शहर का सारा कचरा भैरू दरवाजा, बंबोरी सहित कई जगह डालकर नाले को भर दिया गया है। वहीं भैरव दरवाजा हटवाडा से राजबाग बस स्टेण्ड तक निर्माणाधीन एलीवेटेड सड़क के लिए संवेदक ने लटिया नाले पर खुदाई करके मलबे को वहीं एकत्रित कर दिया है और अपने वाहनों, जे.सी बी. ट्रेक्टर्स, ट्रक, लोडिंग वाहनों के आवागमन के लिए आबादी की सड़क एवं बरसाती नाले के प्राकृतिक स्वरूप को पूर्णतया मौके पर बदल दिया है। एडवोकेट अब्दुल हासिब ने बताया कि इन कारणों से बरसाती पानी के निकास में अवरोध होने के कारण पिछले वर्ष 19 अगस्त 2024 को तथा इस वर्ष 30 जुलाई 2025 को बरसात का पानी आबादी के बडे हिस्से में प्रवेष करने से कई कच्चे पक्के मकान क्षतिग्रस्त हो गये, घरों में पानी के प्रवेष करने से लाखों रूपयो का नुकसान हो गया। लोगों को देर रात्रि में छतों पर भीगते हुए अपनी जान को बचाने को मजबूर होना पड़ा। दुकानों और मकानों में बरसात का पानी करीब 5 से 6 फिट तक प्रवेष कर जाने से अत्यधिक तबाही हुई। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों पर लापरवाही से और जानबूझकर स्थानीय लोगों के जीवन को खतरे में डालने का आरोप लगाया है। एडवोकेट हासिब ने मांग की है कि लटिया नाला क्षेत्र में आने वाले सभी पटटाग्रहिताओं को पर्याप्त मुआवजा राषि देकर जयपुर के अमानीशाह पर बसे रिहायषी मकानों की तरह नियमानुसार हटाया जावे। जिससे उक्त बरसाती नाले की चौडाई को प्राकृतिक स्वरूप मे लाया जा सके। लटिया नाले के दोनों ओर सुरक्षा दीवारें बनाई जावे जिससे भविष्य में अतिक्रमण की संभावना पर पूर्णतया अंकुष लगाया जा सके। शहर स्थित राजबाग से सूरवाल बॉध तक लटिया नाले के सहारे किये गये तमाम अतिक्रमणों को चिन्हित कर अतिक्रमण मुक्त कराया जावे। विधि का सुस्थापित सिद्वान्त है कि प्राकृतिक बरसाती नाला, नदी, इत्यादि पर अवरोध, अतिक्रमण नही किया जा सकता है। नगर परिषद द्वारा लटिया नाले पर बनाये गये अवैध तमाम डंपिंग यार्ड को हटवाया जावे। बरसाती लटिया नाला की शहर सवाई माधोपुर स्थित सिटी बस स्टेण्ड से पुलिस थाना कोतवाली की पुलिया तक 10 फिट गहराई तक तथा पुलिस थाना कोतवाली से सूरवाल बॉध तक खुदाई करवाकर नाले की गहराई करीब 15 से 20 फिट तक मौलिक स्वरूप अनुसार खुदाई कर मलबे को साफ किया जावे। इसके साथ ही भैरव दरवाजा के पास से राजबाग सिटी बस स्टेण्ड तक बनाये जा रहे एलीवेटेड रोड बनाने वाले संवेदक द्वारा अपने वाहनों के आवागमन के लिए बनाये गये रास्ते को साफ करवाया जाने की मांग की गई है।

जल महल हाट बाजार में कला,संस्कृति और देशभक्ति का संगम

-बालक बालिकाओं ने देशभक्ति के गीत पर नृत्य किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आमेर रोड स्थित जल महल हाट बाजार में इन दिनों मानसून उत्सव 2025 का रंगारंग आयोजन हो रहा है। स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर यहां ध्वजारोहण किया गया, और बालक-बालिकाओं ने देशभक्ति गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। राजस्थान हैंडीक्राफ्ट्स एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का यह भव्य आयोजन उद्यम प्रोत्साहन संस्थान, उद्योग विभाग द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान देशी-विदेशी पर्यटकों और स्थानीय लोगों को राजस्थान की समृद्ध कला, संस्कृति और हस्तशिल्प का अद्त अनुभव मिल रहा है। मुख्य आकर्षण में लाख की चुड़ी, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, ब्लू पॉटरी, कुंदन-मीनाकारी, मार्बल एवं मेटल हैंडीक्राफ्ट्स, वुडन क्राफ्ट्स, टेराकोटा, हैंड ब्लॉक प्रिंट, एम्ब्रॉयडरी गारमेंट्स सहित कई दुर्लभ हस्तनिर्मित उत्पाद शामिल हैं। बारिश के मौसम मां जल महल की खूबसूरत पृष्ठभूमि और पारंपरिक संगीत की धुनें, यहां आने वालों को राजस्थान की असली रंगत का अनुभव करा रही हैं।

पृष्ठ एक का शेष....

बिहार विधानसभा चुनाव में........

इसलिए बिहार का मुस्लिम इस बार एआईएमआईएम का खुलकर समर्थन करेगा या फिर इंडिया गठबंधन को समर्थन देकर तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाएंगा, यह विधानसभा चुनावों के बाद ही पता चल पाएंगा। एआईएमआई का भविष्य मुस्लिम वोटरों के समर्थन पर ही टिका है।

बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर-

जन स्वराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर भी बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक उपस्थिति दर्ज करवाने की भरपूर कोशिश कर रहे हैं। प्रशांत किशोर को चुनावी रणनीति का चाणक्य माना जाता है। उन्होंने अपनी चुनावी रणनीति के आधार पर कई राजनीतिक दलों को सत्ता दिलादी। अब स्वयं बिहार की सत्ता में आने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। प्रशांत किशोर जब से राजनीति में आए हैं, उनकी राजनीतिक विचारधारा लगातार बदलती रहती है। शुरुआत में प्रशांत किशोर बिहार की राजनीति में अकेले चलना चाहते थे। अब सभी सेक्युलर राजनीतिक दलों को मुसलमानों के साथ गठबंधन करने की सलाह दे रहे हैं और उस गठबंधन में स्वयं भी शामिल होना चाहते हैं। लेकिन इंडिया गठबंधन के नेताओं से उनकी पटरी नहीं बैठ पा रही है और साथ में बिहार के मुसलमानों का वे समर्थन लेना चाहते हैं। बिहार में सिर्फ भाजपा एकमात्र पार्टी है जो मुसलमानों का विरोध भी खुलकर करती है और उनका वोट लेने की इच्छा भी नहीं रखती है। लेकिन भाजपा का ऐसे कई दलों से समझौता है जो मुस्लिम वोटरों का समर्थन लेते रहे हैं और लेने की इच्छा रखते हैं।

स्वतंत्रता सेनानी रुडमल सोगण की जीवन गाथा पर आधारित स्मारिका का भव्य विमोचन

-"स्वतंत्रता सेनानियों की गाथाएँ युवाओं के लिए अमूल्य प्रेरणा स्रोत"

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के एक निजी होटल में मानव जन जागृति संस्थान द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस पर एक ऐतिहासिक एवं गरिमामय समारोह आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता कर रहे भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि "स्वतंत्रता सेनानियों की त्याग और बलिदान की कहानियाँ युवा पीढ़ी को राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देती हैं। हमें उनके जीवन से सीख लेकर समाज और देशहित में योगदान करना चाहिए।" मुख्य अतिथि आईएएस टीकमचंद बोहरा ने कहा कि "आजादी के परवाने हमारे लिए प्रेरणा के स्तंभ हैं। उनके संघर्ष की गाथाएँ हमें यह संदेश देती हैं कि सच्ची निष्ठा और दृढ़ संकल्प से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।" अति विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त आईपीएस जी.सी. राय, समाज सेविका, उद्यमी एवं लेखिका डॉ. सुनीता दामिनी गुप्ता, शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूजा भारती छाबड़ा, स्वतंत्रता सेनानी रुडमल सोगण के पुत्र गोपालचंद सोगण, सेवानिवृत कृषि विस्तार के अतिरिक्त निदेशक रामनिवास पालीवाल, नेमीचंद पंवार आदि ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सौदागर कांदेला ने अतिथियों का साफा, माला एवं शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। इस मौके पर अतिथियों द्वारा स्वतंत्रता सेनानी रुडमल सोगण की जीवन गाथा पर आधारित स्मारिका का भव्य विमोचन किया गया।

इन स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारजनों का किया सम्मान

स्व. रूडमल सोगण, स्व. रामचंद्र राय, स्व. नृसिंहदास शार्दुल, स्व. बालासाहेब भारतीय, स्व. गंगाराम बुनकर, स्व. सत्यनारायण गोठवाल के परिवारजनों एवं शहीद दीपचंद बावड़ी, शहीद मुकेश कुमार बुनकर की वीरांगनाओं एवं समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सम्मानित सदस्यों को सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय रूडमल सोगण के सुपुत्र गोपालचंद सोगण का सम्मान किया गया। साथ ही गोपालचंद सोगण के सुपुत्र धर्मेंद्र कुमार सोगण, वेद प्रकाश, श्याम सुंदर, राजेश सोगण, संतोष सोगण एवं समस्त परिवार जनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ. कैलाशचंद मोरदिया एवं याकूब बावड़ी (डीडवाना) ने किया। याकूब बावड़ी ने देशभक्ति गीतों की विशेष प्रस्तुतियाँ दीं। संस्थान के वरिष्ठ सदस्यों ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। सभी अतिथियों एवं नागरिकों ने आयोजन की सराहना की और इसे ऐतिहासिक क्षण बताया। इस दौरान गजानंद परिहार, रघुनाथ पाटोदिया, गोपाल लाल कांदेला, कोषाध्यक्ष मुकेश जिंदल, प्रधानाचार्य कालूराम बुनकर, प्रधानाचार्य अशोक कुमार बबेरवाल, बाबूलाल कांदेला, हरिनारायण लाखीवाल, सुरेश कुमार महरिया, एडवोकेट मनोहर परिहार, घनश्याम कांदेल, सरपंच पवन कांदेला, सेवानिवृ एडीएम के.आर. बुनकर, सेवानिवृत बीएसएनएल के मुख्य पर्यवेक्षक रामकिशोर राय, डॉ. बी.डी. नैनावत, प्रधानाचार्य राजकुमार बुनकर, गोपीराम चौहान, चौप पूर्व सरपंच प्रेम देवी, बाबूलाल नारनोलिया, सेवानिवृत बीईईओं सत्यनारायण बुनकर, एडवोकेट धर्मेंद्र घसिया, कैलाशचंद खूडीवाल, डॉ. पूरणमल बुनकर, महेश कुमार खूडीवाल, हनुमान सहाय झाटीवाल, सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, सियाराम बुनकर, गोपाल देवठिया, एडवोकेट राजेश कांदेला, अंजली कांदेला, राजीव कांदेला, भव्या कांदेला सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

ई-रिक्शा यूनियन द्वारा तिरंगा रैली निकाली गई

-एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें - तिगाला

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। 79 वां स्वतंत्रता दिवस दिनांक 15 अगस्त 2025 को सुबह 11 बजे ई रिक्शा यूनियन मनोहरपुर द्वारा तिरंगा रैली निकाली गई। तिरंगा रैली मनोहरपुर टोल प्लाजा से रवाना होकर बस स्टैंड से सीधे सैयद लाल खा बाबा मार्केट होते हुए गांधी चौक पहुंची गांधी चौक से आड्डा बाजार लंबा बाजार बावन देव जी का मोहल्ला होते हुए गांधी चौक में आई और फिर गांधी चौक से मेड वालों का मोहल्ला लोहार का खुर्रा तोपची वाड़ा अंबेडकर नगर होते हुए वापस बस स्टैंड पुलिया के नीचे पहुंच कर रैली का समापन किया। ई-रिक्शा चालक अनवर हुसैन तिगाला ने कहा कि एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दे! ई रिक्शा रैली में भाग लेने वाले रिक्शा चालक अनवर हुसैन तिगाला, गुलशन बृजवाल, आसिफ शाह, गजानंद भाड़भूंजा, अविनाश, विक्रम बावरिया, प्रकाश वर्मा, सोहेल खान, मालीराम बेनीवाल, सुभाष बेनीवाल, छुट्टन शाह, शहजाद बिस्ती, राजकुमार चोपड़ा आदि सभी ने तिरंगा रैली का आयोजन किया।

भजनलाल शर्मा का है सपना हरा भरा राजस्थान एवं अग्रणीय राजस्थान हो अपना

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान को विकास की धारा में जोड़ने के लिए, अग्रणी राजस्थान बनाने के लिए, स्वच्छ एवं स्वस्थ राजस्थान बनाने के लिए, सूर्य ऊर्जा योजना में अव्वल होने के लिए, राजस्थान आत्म-निर्भर होने के लिए,भजनलाल सरकार के द्वारा कई योजनाएं प्रारंभ की गई हैं। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत क्लेम वितरण कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान राजस्थान आए हुए थे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान हेलीकॉप्टर से उतरते ही बोले अरे! वाह! राजस्थान तो हरा भरा हो गया। इस पर जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत बोले यह सीएम साहब का शुभ पग फेरा है। दो वर्ष से लगातार भरपूर बारिश हो रही है। प्रभारी मंत्री ने राजस्थान में भजनलाल सरकार के द्वारा प्रारंभ की गई है कई योजनाओं के बारे में जानकारी दी हरिया लो राजस्थान एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान की भी जानकारी दी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना क्या है

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एक ऐसी योजना है जिसके तहत किसानों को खरीफ की फसल के लिए दो प्रतिशत, रबी और तिलहन फसलों के लिए डेढ़ प्रतिशत और व्यावसायिक तथा बागवानी से जुड़ी फसलों के लिए पांच प्रतिशत की अधिकतम सालाना प्रीमियम राशि देनी होती है। किसानों की सुविधा के लिए।

मिशन हरियालो राजस्थान क्या है

हरियाली तीज के अवसर पर 7 अगस्त 2024 को मिशन हरियालो राजस्थान की शुरुवात गई थी। इस पहल का उद्देश राजस्थान को और अधिक हरा-भरा बनाना, राज्य के पर्यावरणीय स्वास्थ्य और समग्र समृद्धि को बढ़ाना है।

एक पेड़ मां के नाम

एक पेड़ मां के नाम एक अभियान है जिसका उद्देश माताओं के सम्मान में और पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ लगाना है। यह अभियान भारत सरकार द्वारा शुरु किया गया है इसका दूसरा चरण 5 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस पर शुरू हुआ था। इस अभियान में लोगों को अपनी माताओं के नाम पर, या धरती माता के नाम पर पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस तरह की योजनाऐं हमारे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल से राजस्थान में जोर-शोर से लागू की गई हैं। इस वजह से हमारा राजस्थान हरा-भरा नजर आने लगा है एवं विकास के पथ पर सरपट दौड़ रहा है।

स्वाधीनता दिवस पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कार्मिक हुए सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने शुक्रवार को राज्य सरकार एवं राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के संयुक्त तत्वावधान में शासन सचिवालय प्रांगण में ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी । इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र सेवा और संवैधानिक मूल्यों के प्रति निष्ठा बनाए रखने का संकल्प दिलवाया। समारोह में राज्य के विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को योग्यता सम्मान के रूप में स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। स्वाधीनता दिवस पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक प्रशासनिक अधिकारी रमेश गुर्जर, वरिष्ठ सहायक रिंकू मीणा, कनिष्ठ सहायक मुकेश मीणा एवं रोहित उमरवाल, बृजमोहन मीणा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कृष्ण कान्त पाठक (शासन सचिव कार्मिक विभाग), कजोड़मल मीणा (अध्यक्ष राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ जयपुर) उपस्थित रहे।

कथित वोट चोरी को लेकर कांग्रेस सड़कों पर

-DCC कार्यालय से बड़ी चौपड़ तक कांग्रेस का कैंडल मार्च

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कथित वोट चोरी के मुद्दे को लेकर सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान डीडीसी कार्यालय से बड़ी चौपड़ तक कैंडल मार्च निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। मार्च के दौरान "वोट चोर गद्दी छोड़ो" जैसे नारे लगाए गए और भाजपा पर जनता की भावनाओं से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया गया। कैंडल मार्च में शामिल विधायक रोहित बोहरा ने कहा कि भाजपा ने लोकतंत्र की मर्यादा को तार-तार किया है और देश का हर व्यक्ति आज राहुल गांधी के साथ खड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जनता के विश्वास को तोड़ने का काम कर रही है, लेकिन कांग्रेस इस लड़ाई को सड़क से सदन तक जारी रखेगी। प्रदर्शन में मौजूद कार्यकर्ताओं ने कहा कि वोट की चोरी लोकतंत्र की हत्या के समान है और कांग्रेस इसे कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। बड़ी चौपड़ पहुंचने के बाद नेताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और लोकतंत्र को बचाने की अपील की।

राजलक्ष्मी महिला बैंक में सीईओ मोहम्मद इकबाल खान ने किया ध्वजारोहण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दी राजलक्ष्मी महिला अरबन कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के त्रिपोलिया बाजार स्थित मुख्यालय में 79वें स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित राष्ट्रीय समारोह में शुक्रवार को बैंक के सीईओ मोहम्मद इकबाल खान ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान बैंक की चेयरमैन नंदिता राज, नगर निगम हेरिटेज के डिप्टी मेयर असलम फारुखी, पार्षद प्रतिनिधि वार्ड-30 शाकिर खान, हरीश उदवानी, निदेशकगण, बैंक अधिकारी, कर्मचारियों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। बैंक सीईओ मोहम्मद इकबाल खान ने बताया कि बैंक की स्थापना 1996 में हुई थी। जिसके संचालक मंडल में सभी डायरेक्टर महिलाएं है तथा स्टाफ में भी अधिकांश महिलाएं हैं। महिला सशक्तिकरण के लिए बैंक प्रबंधन की ओर से समस्त ऋण भी महिलाओं को ही दिया जाता हैं। बैंक में जमा कराई गई सभी अमानतें अन्य राष्ट्रीयकृत बैंकों की भांति डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन मुंबई द्वारा बीमित किया जाता हैं। जिससे खाताधारकों की राशि सुरक्षित रहती हैं। बैंक केंद्रीय सहकारी प्रतिभूतियों में निवेश करता है। साथ ही बैंक की ओर से अन्य राष्ट्रीयकृत बैंकों की तरह खाताधारकों को सभी सुविधाएं दी जा रही है।

हाथी गांव में अनूठा फैशन शो,जोनाली ने पहनी शाही पोशाक, गहने

-मंत्री अविनाश गहलोत पहुंचे कार्यक्रम में

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के आमेर स्थित हाथी गांव में रविवार को एक अनोखा नजारा देखने को मिला, जब हथनी 'जोनाली' के जन्मदिन के अवसर पर एक अनूठा फैशन शो आयोजित किया गया। इस मौके पर जोनाली को शाही अंदाज में सजाया गया, उसे खास तौर पर तैयार की गई शाही पोशाक और चमचमाते गहनों से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम में हथिनी के साथ अन्य हाथियों को भी रंग-बिरंगी सजावट और पारंपरिक आभूषण पहनाकर प्रस्तुत किया गया, जिससे माहौल पूरी तरह शाही और उत्सवमय हो गया। फैशन शो में हथिनी ने रैंप पर अपनी शाही चाल से सबका दिल जीत लिया। इस विशेष अवसर पर राजस्थान सरकार के मंत्री अविनाश गहलोत भी मौजूद रहे और उन्होंने हाथी गांव की इस परंपरा की सराहना की। कार्यक्रम में स्थानीय लोग, पर्यटक और हाथी प्रेमी बड़ी संख्या में शामिल हुए और हथनी जोनाली के साथ तस्वीरें खिंचवाईं।

79वां स्वतंत्रता दिवस पर बड़ी चौपड़ पर ध्वजारोहण

-सत्ता पक्ष,विपक्ष ने किया ध्वजारोहण

-रामगंज चौपड़ पर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने झंडा फहराया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। 72 साल से चली रही परम्परा के तहत बड़ी चौपड़ पर 2 जगह झंडारोहण हुआ। सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से उपमुख्यमंत्री डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा ने झंडा फहराया,इस मौके पर सांसद मंजू शर्मा, भाजपा विधायक गोपाल शर्मा और जयपुर हेरिटेज नगर निगम की मेयर कुसुम यादव समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं बड़ी चौपड़ के दक्षिणी हिस्से में विपक्षी दल कांग्रेस की ओर से नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने झंडारोहण किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ़ गोविंद सिंह डोटासरा, विधायक रफीक खान, अमीन कागजी के साथ ही पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, संयम लोढ़ा, जयपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष आरआर तिवारी मौजूद रहे, वहीं हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामगंज चौपड़ पर सीएलजी शांति समिति की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जहां जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने ध्वजारोहण किया,साथ ही डीसीपी नॉर्थ करण शर्मा सहित पुलिस के अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे। रहमानी स्कूली बच्चों ने निकाली तिरंगा यात्रा। रामगंज बाजार में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर छोटे-छोटे बच्चे परिजनों के साथ निकले। तिरंगा यात्रा में शामिल बच्चे रामगंज से बड़ी चौपड़ होते वापस रामगंज बाजार पहुंचे।

मिर्ज़ा आफताब बेग (हिंदुस्तानी) को मुस्लिम वक्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड में प्रदेश संगठन सचिव पद पर नियुक्त किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । ऑल इंडिया मुस्लिम वक्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहीस अहमद कुरैशी ने मिर्ज़ा आफताब बेग (हिंदुस्तानी) को प्रदेश संगठन सचिव राजस्थान पद पर नियुक्त किया गया है । मिर्ज़ा आफताब बेग (हिंदुस्तानी) की नियुक्ति पर राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार मोईनुद्दीन नारू, राष्ट्रीय विधि सलाहकार अकबर अली, राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल रईस, प्रदेश अध्यक्ष ज़फ़र मिर्ज़ा एवं प्रदेश महासिचव एडवोकेट मुजाहिद अख़्तर ने उनका स्वागत किया। ऑल इंडिया मुस्लिम वक्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड नामूसे रिसालत पर पहरा देने के साथ-साथ देश समाज और कौम की अनेकों प्रकार से लगातार सेवाएं कर रहा है । यह सरकार द्वारा रजिस्टर्ड बोर्ड है। बोर्ड के अनेकों उद्देश्य हैं। जगह-जगह बोर्ड की शाखाएं खोलने और सदस्य नियुक्त करना का भी बोर्ड का एक मुख्य उद्देश्य है। इसी मुख्य उद्देश्यों के तहत मिर्ज़ा आफताब बेग (हिंदुस्तानी) की ख्वाहिशों का सम्मान करते हुए उनको बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है। बोर्ड को उम्मीद है कि मिर्ज़ा आफताब बेग (हिंदुस्तानी) तन, मन, धन और अपना वक्त लगाकर इस्लामी शरीयत व भारतीय संविधान के अनुसार ही बोर्ड के उद्देश्यों के लिए काम करते हुए बोर्ड को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी निभाएंगे।

नकली खाद बीज मामलों की जांच के लिए SIT बनाने की मांग की जाएगी – डॉ. किरोड़ीलाल मीणा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्य की कृषि नीतियों और हालिया विवादित मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नकली खाद और बीज के मामलों पर सरकार बेहद गंभीर है। इस पूरे प्रकरण की गहन जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की जाएगी, ताकि किसानों के साथ हो रही ठगी पर कड़ी कार्रवाई हो सके। कृत्रिम बारिश के सवाल पर मंत्री मीणा ने बताया कि सरकार इस दिशा में तकनीकी विकल्प तलाश रही है। उन्होंने कहा कि 10 से 15 हजार फुट ऊंचाई तक उड़ान भरने वाले ड्रोन के जरिए बारिश करवाई जाएगी। इसके लिए 18 अगस्त को वे उड्डयन विभाग से मुलाकात करेंगे और आवश्यक अनुमति लेंगे। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि प्रदेश में किसानों को राहत देने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे और नकली खाद-बीज बेचने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।

डॉ. निधि पटेल ने किया सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। देर रात हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने किया सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण। सिविल लाइन, चोमू हाउस, सी स्कीम, हसनपुरा, हटवाड़ा रोड, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल इलाके में देखी सफाई व्यवस्था।

वार्ड 49 में घर घर जाकर पूछा सफाई व्यवस्था के बारे में आमजन से लिया फीडबैक वहीं, हसनपुरा इलाके में दुकानों के बाहर गंदगी देख हुई नाराज, हाथों हाथ कटवाए चालान, दुकानों के बाहर सफाई व्यवस्था पुख्ता करने और दो डस्टबिन रखने के सख्त निर्देश साथ ही देर रात खुलने वाली दुकानों को किया पाबंद सफाई व्यवस्था नहीं बिगड़े इसके लिए दस बजे तक करें दुकान बंद रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने दिए निर्देश जोन उपायुक्त सुनील कुमार बैरवा, दिलीप भंभानी, उपायुक्त स्वास्थ्य देवानंद शर्मा सहित निगम के सफाई निरीक्षक रहे साथ।

ख्वाजा गरीब नवाज अमन कमेटी ने बड़े धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ख्वाजा गरीब नवाज अमन कमेटी झोटवाड़ा द्वारा हर साल की भाँति इस साल भी 15 अगस्त को 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। सामुदायिक केंद्र संजय नगर-बी, झोटवाड़ा में सुबह 9 बजे सैंकड़ों नागरिकों की उपस्थिति में पूर्व पुलिस अधिकारी इस्माइल खान ने झंडा फहराकर सलामी दी। समारोह में राष्ट्र गीत से ओत-प्रोत संगीत और कविताओं का उपस्थित नागरिकों ने खूब लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व मदरसा बोर्ड के चेयरमैन हिदायत खान धोलिया, शिक्षाविद दौलत खान, अमन कमेटी के पदाधिकारी फारूक खान गनेडी, हाजी मकसूद खान, हाजी गुलाम रसूल मंसूरी, रस्तिव कवि अब्दुल अयूब गौरी, पूर्व पार्षद और पूर्व चेयरमैन मंजू शर्मा, मास्टर इब्राहिम खान, हाजी अकबर खान, रसूल खान सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत की।

दरबार पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल में मनाया स्वतंत्रता दिवस

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । दरबार पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल, काली कोठी, नारायणपुरी, उद्योग नगर, झोटवाड़ा में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े धूम-धाम से मनाया गया । समारोह में झंडा रोहन के बाद स्कूल के छात्रों को स्वतंत्रता दिवस का महत्व बताया गया । इस अवसर पर स्कूल प्रबन्धन द्वारा छात्रों को मिठाई वितरित की गई। समारोह में आये हुए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया गया । समारोह में सत्तार ख़ान पूर्व RAS, हाज़ी रफ़ीक़ अहमद खान पूर्व सी.आई, ईशाक, ताज मुहम्मद मंसूरी व शहर के गणमान्य लोग शामिल हुए।

ए.आर.वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से बांटे स्कूल बैग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। समाज सेवा के लिए विख्यात ए.आर. फाउंडेशन की ओर से बाबू का टीबा, सूरजपोल जयपुर स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल के गरीब बच्चों को निशुल्क बैग एवं स्टेशनरी वितरित किए गए। प्रोग्राम में फाउंडेशन के अध्यक्ष ए.आर.खान आईएएस (रिटायर्ड) सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनके हाथों से बच्चों को बैंक और स्टेशनरी बांटी गई है। ए.आर.फाउंडेशन नियमित रूप से गरीब छात्र-छात्राओं की आर्थिक सहायता करता रहता है। इसके अलावा ए.आर.फाउंडेशन की ओर से स्किल डेवलपमेंट स्वास्थ्य एवं रोजगार सृजन के क्षेत्र में काम किया जाता है।

इमाम हुसैन की याद में चालीसवां

-शिया समुदाय ने निकाला जुलूस, कर्बला में जुलूस का हुआ समापन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हजरत इमाम हुसैन की याद में चालीसवें पर शुक्रवार को शहर में अकीदतमंदों ने जंजीरी मातम किया। इस मौके पर रामगढ़ रोड स्थित कर्बला में बड़ी संख्या में अकीदतमंद पहुंचे। इस दौरान घरों में मिलाद शरीफ व फातेहा भी दिलाई गई। अकीदतमंदों की ओर से घरों में मिलाद शरीफ पढने के साथ ही गरीबों को खाना भी खिलाया गया। चालीसवें के दौरान शिया समुदाय की ओर से कौमी इमाम बारगाह मोहल्ला पन्नीगरान में मजलिस हुई। जिसमें अनवर खान, मंसूर जैदी ने सोज और सलाम पढ़ा। मौलाना सैय्यद नाजिश अकबर काजमी ने अपनी तकरीर में इमाम हुसैन की जिंदगी पर रोशनी डाली। इसके बाद दोपहर में इमाम बारगाह से जुलूस रवाना हुआ। जुलूस कुम्हारों की नदी से सुभाष चौक होता हुआ तकवी मंजिल पहुंचा। जहां जंजीरी मातम भी हुआ। इस बीच लबैक या हुसैन की सदाएं गूंज उठी।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

देश के चुनाव आयोग से जनता का भरोसा उठने लगा है

चुनाव आयोग पर देश के लोकतंत्र को बनाए रखने और मजबूत करने की जिम्मेदारी है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में जनता ही सर्वे सर्वा होती है। अपने मताधिकार के द्वारा जनता ही सरकार बनाती है और सरकार को जनता के हित में काम करने के लिए विवश करती है। राजनीतिक दलों एवं अन्य समूहों की मनमानी जो लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है, चुनाव आयोग रोकने का काम करता है। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी बनती है कि देश में लोकतांत्रिक सरकार चुनने के लिए साफ सुधरा चुनाव करवाया जाए। चुनावों में किसी भी प्रकार की धांधली, शंका एवं हेरा फेरी को दूर करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होती है। पूर्व चुनाव आयुक्त टी एन शेषन को चुनाव आयोग के इतिहास में आज भी याद किया जाता है। क्योंकि पूर्व चुनाव आयुक्त टी एन शेषन ने निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए भरपूर प्रयास किए थे। मतदाता पहिचान पत्र उन्ही के कार्यकाल में जारी किए गए जिससे फर्जी मतदान में काफी हद तक कमी आयी थी। पूर्व चुनाव आयोग टी एन शेषन को अभी तक सबसे निष्पक्ष चुनाव आयुक्त माना जाता है। शेषन कभी भी किसी राजनीतिक दल के दबाव में नहीं आए थे। इसके विपरीत राजनीतिक दल पूर्व चुनाव आयुक्त टी एन शेषन के दबाव में साफ सुधरा चुनाव करवाने के लिए विवश थे। टी एन शेषन का देश के लोकतंत्र को मजबूत करने में बड़ा योगदान रहा था। वर्तमान में चुनाव आयोग कमजोर, वेवश, पक्षपाति एवं लोकतंत्र को कमजोर करने वाला दिखाई देता है। वोट चोरी, फर्जी वोट लिस्ट, ईवीएम हैकिंग एवं मनमानी चुनावी परिणामों देने वाला चुनाव आयोग देश के लोकतंत्र को कमजोर करने पर तुला हुआ है। कोई व्यक्ति, राजनीतिक दल, संस्था यदि चुनाव आयोग की कमजोरी ढूंढता है तो चुनाव आयोग उसी से जवाब मांगने लग जाता है। चुनाव आयोग किसी भी शिकायत की जांच करने में रुचि नहीं लेता है। कई बार तो चुनाव आयोग ऐसे ऐस हास्यपद दलीत देता है जो चुनाव आयोग के पक्षपाती होने की ओर संकेत करता है। अब तो कई दल चुनाव आयोग पर फर्जी तरह से वोट जोड़ने और घटाने के आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने फर्जी वोटर जोड़ने और हटाने के ठोस सबूत दे दिए हैं फिर भी चुनाव आयोग कोई कार्यवाही करने को तत्पर नहीं दिखाई दे रहा है। आखिर सुप्रीम कोर्ट को चुनाव आयोग को हटाए गए और जोड़े गए वोटो की पूरी लिस्ट वेबसाइट पर डालने का आदेश दिया है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग की साख देश की जनता की नजर में काफी नीचे आ गई है। वोट की चोरी लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ है। चुनाव आयोग में अयोग्य चुनाव आयुक्त बैठे हुए हैं। जो चुनाव प्रक्रिया की पूरी तरह मॉनिटरिंग नहीं कर पा रहे हैं। चुनावों में किसी भी तरह की धंधली को नहीं रोक पाना चुनाव आयुक्तों का बड़ा अपराध है। जिसकी सजा उनको मिलनी चाहिए।

इस्लाम में तालीम का महत्व

तक़रीबन 1450 साल पहले, एक पुर-सुकून और तन्हा घर में, अल्लाह रब्बुल इज्जत अपना नूर भरा पैग़ाम भेजता है — अपने सबसे महबूब और मुक़र्रम बंदे के क़ल्ब-ए-अतहर पर।

यह वही पैग़ाम है जिसकी शुरुआत अल्लाह ने हज़रत आदम (अलैहिस्सलाम) के जरिए इंसानों को दी, फिर तक़रीबन 124000 अंबिया के जरिए से होते हुए, अब अपनी तमाम कामिल शान के साथ आख़री पैग़ंबर पर नाज़िल होता है।

और इस पैग़ाम की इब्तिदा होती है सिर्फ़ एक लफ़्ज़ से: "इकरा" — पढ़ो!

क़ुरआन-ए-मजीद में 500 से 700 अहकाम हैं जिनमें इंसान को इंसानियत के अदाब सिखाए गए हैं, ताकि वो पैदा होने से लेकर मरते दम तक किन उसूलों और अदाब के साथ अपनी ज़िन्दगी बसर करें।

सोचने वाली बात ये है कि क़ुरआन-ए-मजीद ने इतने इंसानी हक़ूक़ बयान किए जैसे:

- हर शख़्स के साथ इंसाफ़ और इंसानियत का सुलूक करो। (सूरह अन-नहल 16:90)
- "जिसने एक जान को नाजायज़ मारा, उसने सारी इंसानियत को मारा।" (सूरह अल-माइदा 5:32)
- वादे की पाबंदी करो, क्यूंकि वादे के बारे में सवाल होगा। (सूरह अल-इसरा 17:34)
- वालिदैन के साथ हुस्न-ए-सुलूक करो। (सूरह अल-इसरा 17:23)
- ग़ीबत से बचो। (सूरह अल-हिज़ूरात 49:12)

ये सारे अहकाम हैं जिनके ज़रिये इंसान अपने आप को बेहतर इंसान बनाता है, और ये सब की शुरुआत "इक़रा" से हुई — पढ़ना, सीखना।

इस्लाम में इल्म यानी तालीम को बहुत तर्ज़ीह दी गई है। अरब की वो सरज़मीन जहां ज़ुल्म आम था, और इंसान को जानवर से भी बदतर समझा जाता था, वहां पहला इल्म का मर्कज़ क़ायम हुआ, जो इंसान को इंसानियत सिखाता है।

सभी इंसान बराबर हैं, बेहतरी तक़वा में है, और किसी को दूसरे से कम समझने का हक़ नहीं।

आख़री पैग़ंबर पर क़ुरआन नाज़िल हो रहा था, वो लोगों को इसकी तालीम देते और इंसानियत का पाठ पढ़ाते।

622 ईसवी में जब नबी मदीना हिजरत कर गए, मस्जिद-ए-नबवी में पहला इंसानियत का तालीमी मार्कज़ क़ायम हुआ, जहां वो दिन-रात साहाबा को दीन सिखाते थे।

खलीफ़ा हज़रत अबू बकर रदी अल्लाहु अनहू के ज़माने में क़ुरआन की तदवीन (कॉम्पाइलेशन) का काम हुआ। उसके बाद हज़रत उमर रदी अल्लाहु अनहू के ज़माने में (13 हिज्री / 634 ईसवी) साहाबा को मुख़्तलिफ़ इलाक़ों में तालीम आम करने के लिए भेजा गया जैसे सीरिया, मिस्र, इराक, यमन, यरुशलम आदि।

हज़रत उमर के ज़माने में तालीम का प्रोपर निज़ाम, हिजरी कैलेंडर की शुरुआत, दफ्तरी यानी ऑफिस रिकॉर्ड जैसे काम, और ज्यूडिशियल सिस्टम जिस में उन्होंने हर शहर में काज़ी को लगाया ताकि वो अदालत और इंसाफ़ कायम रखे, हॉस्पिटल, फ़ौज और आम लोगों के लिए दवाखाने, और दरुल-क़रार मतलब मुसाफ़िरों के लिए रहने का निज़ाम, ये सब किया गया।

उस ज़माने के हिसाब से जितनी सुविधाएं जो एक मुल्क को तरक़्क़ी करने के लिए चाहिए वो सब उन्होंने की, और यही काम आगे साहाबा के दौर में भी हुआ।

और ऐसे ही देखते-देखते शुरू हुआ इस्लामिक गोल्डन एज।

वो इस्लामिक गोल्डन एज जो आज भी दुनिया इस्तिफ़ादा उठा रही है।

इस्लामिक गोल्डन एज का आगाज़ लगभग 8वीं सदी ईसवी (700s के आस-पास) में हुआ, ख़ासकर जब अब्बासी खलीफ़त ने ताक़त संभाली — 750 ईसवी में।

और इस एम्पायर की राजधानी थी सिटी ऑफ़ बग़दाद, जिसे कहा जाता था 'द सिटी ऑफ़ पीस'।

अब्बासी सुल्तान बद्शाह अल-मंसूर का सपना था कि दुनिया के सारे इल्म को एक जगह इकट्ठा किया जाए।

उनका यह सपना हरून अल-रशीद और अल-मामून ने नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

और देखते ही देखते बग़दाद दुनिया का नॉलेज कैपिटल बन गया।

इस सब के बीच था बग़दाद का हाउस ऑफ़ विजडम यानी बैतुल हिक़्मह, जिसे आप आज का NASA, Harvard, Oxford भी मान सकते हैं।

वो सिर्फ एक इमारत नहीं थी, वो इल्म का गढ़ था जिसमें बहुत बड़ी लाइब्रेरी थी।

उस वक्त उसमें 5 लाख से ज़्यादा किताबें थीं, जबकि पूरे यूरोप में 100 से कम किताबें थीं।

और उस में एक अकादमी थी जिसमें मैथ, जियोग्राफी, फिलॉसफी, मेडिसिन पढ़ाई जाती थी।

यहाँ चीन से लेकर स्पेन तक के लोग नॉलेज शेयर करने आते थे।

और यह पहला ऐसा मार्कज़ बना जिसमें हिंदू, मुस्लिम, यहूदी, चीनी, क्रिश्चियन सब एक जगह मिलकर इल्म जमा करते थे।

और वो स्कॉलर बग़दाद के स्कॉलर्स को उनके वज़न के बराबर सोना दिया जाता था ताकि वे इस इल्म की तिजोरी को खोल सकें।

यही था हाउस ऑफ़ विजडम जहां से बड़े-बड़े साइंटिस्ट पैदा हुए जिन्होंने ऐसी-ऐसी डिस्कवरीज़ की जो आज तक पूरी दुनिया इस्तेमाल कर रही है।

चलिए अब जानते हैं वो कौन-कौन सी डिस्कवरीज़ थीं:

इब्ने सीना (Abu Ali Al-Hussein Ibn Abdullah Ibn Sina):

980 इस्वी में सेंट्रल एशिया के शहर बुख़ारा के करीब गांव अफ़शाना में पैदा हुए।

उन्होंने 10 साल की उम्र में क़ुरआन-ए-मजीद को अपने दिल में महफ़ूज़ किया।

और उसके बाद उन्होंने इस्माइल अल-जाहिद से फ़िक़्ह का इल्म भी हासिल किया।

18 साल की उम्र में एक क़ालिफाइड फ़िज़ीशियन बन गए।

और उन्होंने 1025 में 'अल-कानून फी अल-तिब्ब' किताब लिखी।

इब्ने सीना ने अपनी ज़िंदगी में 240 किताबें लिखीं जिनमें से दो किताबें ऐसी थीं जिन्हें अल्लाह ने ऐसी कामयाबी दी कि वे बुनियाद बनीं आज की मॉडर्न मेडिकल साइंस की:

1. अल-कानून फी अल-तिब्ब (The Canon of Medicine)
2. किताब अल-शिफ़ा (The Book of Healing)

जो कि यूरोप और मिडिल ईस्ट में 700 साल तक मेडिकल टेक्स्टबुक रही (17वीं सदी तक)।

और इनके बारे में आता है कि ये कई मरीज़ों का इलाज फ्री में भी किया करते थे।

इनकी वफ़ात 1037 में ईरान के हमदान में हुई।

अल-ज़हरावी (Ab□ al-Q□sim al-Zahr□w□):

इनका पूरा नाम है अबू अल-कासिम अल-जहरावी।

इनकी पैदाइश कॉर्डोबा (स्पेन) में 934 इस्वी में हुई।

उन्होंने उस वक़्त के मशहूर आलिम से क़ुरआन और हदीस का इल्म हासिल किया।

सबसे पहले उन्होंने 'The Method of Medicine' ये उनकी पहली किताब थी जो उन्होंने अपने करियर में लिखी।

उनकी मशहूर किताब 'अत-तसरीफ़' है जिसे लोग आज भी फायदा उठा रहे हैं।

और वो कई फ़न के माहिर थे जैसे सर्जरी में महारत।

इसलिए इन्हें 'फादर ऑफ़ सर्जरी' भी कहा जाता है।

इसी तरह के कई नाम हैं: अल-ख्वारिज़्मी, इब्ने सीना, अल-राज़ी, अल-बिरुनी, अल-किंदी।

अगर आप इनके बारे में डिटेल में पढ़ना चाहते हैं तो आप 'इस्लामिक गोल्डन एज' पढ़ सकते हैं।

इन सब में एक बात नोटिस करें: मैंने जितने भी आपको साइंटिस्ट बताए वो सब दुनिया के साथ-साथ दीन का इल्म भी रखते थे।

जो लोग कहते हैं ना कि एक मदरसे का पढ़ा हुआ डॉक्टर नहीं बन सकता, तो इन्हें देखिए — ये आलिम, हफ़िज़ के साथ-साथ साइंटिस्ट भी थे।

यह सारी बातें जान कर मुझे वह क़ुरआन की आयत याद आ गई: "अल्लाह ताला नेक लोगों का अज्र ज़ाया नहीं करता।" (9:120)

अल्लाह ताला इनका अज्र भी ज़ाया नहीं करेगा।

असल ये सारी बातें का मेरा मकसद यह था कि हम अपने आप को पहचानें।

यह सब 1200 साल पहले पैदा हुए, इनके पास भी वही क़ुरआन था जो आज हमारे पास है।

इन लोगों ने भी वही कलमा पढ़ा जो हमने पढ़ा है। फिर क्या चीज़ जिसकी वजह से हम आज पीछे हैं?

असल वह है दीन के इल्म की कमी और बेफ़िक्री।

हम समझते हैं कि पढ़-लिख कर क्या होगा?

आइए मैं आपको बताता हूँ क्या होगा:

जब इंसान मर जाता है तो उसके सारे अमल का सिलसिला कट जाता है सिवाय तीन चीज़ों के:

1. सदक़ा जारीया
2. इल्म जिससे लोग फ़ायदा उठाएं
3. नेक औलाद जो उसके लिए दुआ करें (सही मुस्लिम 1631)

अब मुझे बताइए, इन लोगों ने जो इल्म का काम किया आज दुनिया उनसे फ़ायदा उठा रही है, क्या उनकी कब्र में सवाब नहीं पहुँच रहा होगा?

और आज 1200 साल हो गए। हम जैसे लोग मजबूर हैं उनका ज़िक्र करने पर और आप सुनने पर।

सबसे पहले अपना नज़रिया दुरुस्त कीजिए।

दूसरा अपनी दिलचस्पी देखिए।

आपको डॉक्टर बनना है, बनिए।

इंजीनियर बनना है, बनिए।

काम को सिर्फ जॉब के नज़रिए से नहीं, कुछ करने की नीयत से अपना विज़न बनाइए।

इन सब ने अपना विज़न बनाया था इसलिए आज यह मुकाम हासिल किया।

-मुहम्मद सोहैल

जिंदगी मुख्तलिफ शुअरा की नजर में

जिंदगी अल्लाह तआला की अताकरदा एक अजीम नेमत है। इंसानी जिंदगी अल्लाह तआला की तखलीक का एक अनोखा नमूना है कि अल्लाह ने किस तरह एक गंदे नुत्फे में जान डालकर उसको जिंदगी अता की है। इस पर इंसान अल्लाह तआला का जितना शुक्र अदा करे और एहसान माने उतना ही कम है।

अल्लाह तआला ने क़ुरआन-ए-हकीम में कई जगह यह हिदायत फरमाई है कि तुम अपनी जिंदगी के बारे में गौरो फिक्र क्यों नहीं करते कि हमने एक नुत्फे में जान डालकर तुम्हें एक मुकर्रिरा अंधेरियों में तुम्हें परवान चढ़ाकर एक खूबसूरत शक्ल आता फरमाई। इस इंसानी शक्ल में ऐसी खूबियां अता की यानि सोचने, समझने के लिए दिमाग, देखने के लिए आंखें, सुनने के लिए कान, सूंघने के लिए नाक, बोलने के लिए जवान, पकड़ने के लिए हाथ और चलने के लिए पैरों में ताकत अता की। अच्छे बुरे की तमीज, खतरात से बचने की सलाहियत और आगाही बक्शी। यह इंसान अल्लाह तआला की अपने बंदों को अता करदा इन नेमतों का जितना शुक्र करे उतना ही कम है।

मुख्तलिफ शुअराने इंसानी जिंदगी को अपने-अपने अंदाज से समझा और परखा। इसकी तशरीह बयान की है। क्या कभी आपने गौर किया कि अल्लाह तआला के इस पैदा करदा नुत्फे में उसकी तखलीक करदा कितनी चीजें शामिल हैं।

तखलीक के बाद एक मुकर्रिरा वक्त के बाद इस जिंदगी का फना होना भी तय है। हर वो जानदार जो पैदा हुआ है वो जरूर एक दिन फना हो जाएगा। यह पैदाइश और फना का सिलसिला ताक़यामत तक चलता रहेगा।

उर्दू के शायर पंडित बृज नारायण चकबस्त ने अपने एक शेर में जिंदगी और मौत की तस्वीर इस तरह खींचकर बयान की है-

जिंदगी क्या है ? अजजाये अनासीर का जहूरे तरतीब,
मौत क्या है ? इन्हीं अजजा का परेशां होना।

क़ुरआन-ए-हकीम में भी अल्लाह ने फरमाया है कि इंसान को हमने खनखनाती मिट्टी से बनाया है, जब इंसान अपने पैदा होने के बाद बचपन के बाद जवानी में कदम रखता है और उस पर जिम्मेदारियों का बोझ पड़ता है तो वो अपनी जिंदगी में पेश आने वाले हालात, वाकियात, मामलात, रंज व गम व मुसीबतें जो पेदरपे पड़ती हैं और वो इन नित नये मरहलों से दो चार होता है तो वह अपनी तखलीफ के मकसद को भूलकर जिंदगी के झमेलों में, रिश्तों में, मोहब्बत और नफरत की कड़वाहट में गमे जिंदगी के अंधेरों में भटक जाता है और उस पर यासो हसरततारी हो जाती है और वह उदास हो जाता है।

फिराक गोरखपुरी ने इस इंसानी कैफियत को अपने एक शेर में इस तरह बयान किया है-

जिंदगी क्या है आज इसे ए दोस्त
सोच लें और उदास हो जाएं।

लेकिन हमको जिंदगी में आने वाले हालात निक नई मिसाइल, रिश्तेदारों से पहुंचने वाली अज़ीयतें, दोस्तों के जरिए दिए गम और जमाने के जरिए पहुंचाई गई मुख्तलिफ कुल्फतों पर सब्र करते हैं और जवां हिम्मती से एक आहनी दीवार की मानिन्द तमाम हालात का मुकाबला करते हैं और हर आफत और मुसीबत का खुशी-खुशी सामना करते हैं और उनको पहुंचने वाले हर गम व तकलीफ को ही अपनी जिंदगी का हिस्सा समझते हैं

और उस पर कफे अफसोस नहीं मलते। वो इन गमों की ही अपनी जिंदगी समझते हैं। इसी कैफियते जिंदगी को एक शायर ने इस तरह बयान किया है-

उसकी जिंदगी रास आई है
जिसने गम से निजात पाई है।

जिंदगी का शिकवा करना एक आम बात है। इंसान अपनी जिंदगी में हमेशा शिकवा ही करता है।

शेष अगले अंक में

स्वतंत्रता दिवस पर विशेष आलेख.....

निडर क्रांतिकारी व महिला सशक्तिकरण की प्रतीक अजीजन बाई

अजीजन बाई का जन्म 22 जनवरी 1824 ई. को मध्यप्रदेश के मालवा राज्य के राजगढ़ में हुआ था। जागीरदार शमशेर सिंह के यहां जन्मी इस कन्या का नाम अजंसा रखा गया। इकलौती संतान थीं और घर की बेहद लाडली बेटी। हरादेवी के मंदिर परिसर में लगने वाले मेले में घूमने गईं तो अंग्रेज सिपाही ने उन्हें अगवा कर लिया। पिता तो सदमा झेल नहीं पाए और चल बसे। अंग्रेज सिपाही ने उन्हें लाठी मोहाल के एक कोठे की मालकिन अम्मीजान के हाथों बेच दिया। यहां वे अजंसा से अजीजनबाई बन गईं। उनकी कला ने अजीजनबाई की शोहरत पूरे राज्य में फैला दी। तभी 10 मई को 1857 की क्रांति का बिगुल बजा और अंग्रेजों के खिलाफ अजीजन बाई के दिल में जमी चिंगारी शोला बन धधक उठी। नागरिक मंच के संयोजक सुरेश गुप्ता ने बताया कि वह दिन में भेष बदल कर अंग्रेजों से मोर्चा लेतीं और रात में मुजरा करके गुप्त सूचनाएं नाना साहब को पहुंचातीं। नवाबगंज और बिठूर के बीच अंग्रेज सिपाहियों को उन्होंने मौत के घाट उतार दिया। वहां अंग्रेजों की एक दूसरी टुकड़ी ने उन्हें पकड़कर जनरल हैवलाक के सामने पेश किया। उन्होंने माफी मांगने से मना कर दिया। कैद में उनके साथ क्रूरता की हद पार कर दी गई। बाद में उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया। लेकिन उनकी गाथा अमर हो गई और वह आजादी के दीवानों के लिए प्रेरणा बन गईं। अजीजन बाई ने दबी, शोषित महिलाओं में आजादी की चिंगारी फूंकी और अपनी हर एक साथी को शोला बना दिया। तात्या टोपे से उनकी बात हुई, उसके बाद अजीजन ने अपनी सारी संपत्ति नाना साहब को दान कर दी। स्वतंत्रता संग्राम की इस नायिका से ब्रितानी सैनिक कांपते थे। देश के पहले स्वतंत्रता संग्राम में अजीजन बाई ने कानपुर की धरती पर बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वह महिला सशक्तीकरण की प्रतीक थीं। आज पूरा देश उनकी इस कुर्बानी को सलाम करता है।

नियत से तय होती ज़िन्दगी

-हदीस-ए-मुबारका में आता है

"जिसने अल्लाह ही की रज़ा के लिए मोहब्बत की, अल्लाह ही की रज़ा के लिए दुश्मनी की, अल्लाह ही की रज़ा के लिए दिया और अल्लाह ही की रज़ा के लिए रोक दिया — तो उसने अपना ईमान पूरा कर लिया।"

(सुन्नन अबू दाऊद: 4681)

इस हदीस में अपने ईमान को पूरा करने की निशानी बताई गई है कि इंसान जो कुछ करे, वह सिर्फ अल्लाह ही के लिए करे। उसकी मोहब्बत, उसकी नफ़रत — सब अल्लाह ही के लिए हो। मतलब यह कि हम जो भी काम करें, उसमें नीयत हमारी अल्लाह को राज़ी करने की हो। अगर इंसान खर्च करे, तो इस नीयत से करे कि इसमें अल्लाह की रज़ा हासिल करने का मकसद हो।

अगर हम आखिरी पैगंबर □ की ज़िंदगी में गौर करें, तो हमें मालूम होगा कि जैसी एक आम इंसान की ज़िंदगी होती है, वैसी ही आपकी □ ज़िंदगी थी। जैसे एक इंसान शादी करता है, आपने भी शादी की। इंसान अपने बच्चों से मोहब्बत करता है, आप □ भी करते थे। इंसान नौकरी और व्यापार करता है, आपने भी व्यापार किया। वो सारे काम जो एक आम आदमी करता है, वो सब आपने भी किए। लेकिन इन सबके बावजूद आप अल्लाह के सबसे प्यारे बंदों में शामिल थे। हम हैरान हैं कि असल राज़ क्या है? असल बात यह है कि आप □ अल्लाह के रसूल तो थे ही, साथ ही आपकी नीयत इतनी पाक और साफ थी कि उसमें सिर्फ और सिर्फ अल्लाह को राज़ी करने की लगन थी। इसी लिए आप □ अल्लाह के महबूब थे। अब बात करते हैं कि हमारी नीयत कैसे ख़ालिस हो ताकि हमारा भी ईमान पूरा हो जाए। अपनी नीयत को ख़ालिस करने के लिए मैं आपको एक अभ्यास बताता हूँ। आप इसे रोज़ करें, तो देखेंगे कि धीरे-धीरे आपकी नीयत अल्लाह के लिए ख़ालिस होने लगेगी और आपकी ज़िंदगी में अल्लाह की रहमत और बरकत आने लगेगी, इंशा अल्लाह। मान लीजिए आपको बहुत तेज़ भूख लगी है। आप घर में दाख़िल हुए और आपके सामने दस्तरख़्वान बिछाया गया। उस पर गरम-गरम लज़ीज़ खाना रखा है, जिसमें से बहुत प्यारी खुशबू आ रही है। आपका दिल चाह रहा है कि तुरंत उस पर टूट पड़ें और उस खाने का मज़ा लें। लेकिन एक लम्हे के लिए रुक जाएँ और दिल में यह ख्याल लाएँ कि यह नफ़्स की ख्वाहिश से खाना नहीं खाएँगे। फिर यह सोचें कि अल्लाह तआला ने मेरे नफ़्स का मुझ पर हक़ रखा है, और हज़रत □ की आदत थी कि जब आपके सामने खाना आता, तो आप शुक्र अदा करते हुए और खाने की तरफ रग़बत ज़ाहिर करते हुए खाना खाते थे। मुझे आपकी □ सुन्नत की इत्तबा करनी चाहिए। इसलिए मैं आपकी इत्तबा में खाना खा रहा हूँ।

फिर खाना शुरू करें। इसी तरह बहुत से कामों में, जैसे आप अपने बच्चों से मोहब्बत करें, तो यह सोचें कि मैं अपने बच्चों से मोहब्बत इस लिए ज़ाहिर कर रहा हूँ क्योंकि मैं अल्लाह के रसूल □ की इत्तबा कर रहा हूँ। आप इसे अपनाइए और देखेंगे कि आपकी नीयत ख़ालिस हो जाएगी अल्लाह के लिए और आपकी ज़िंदगी में बरकतें होंगी।

-मुहम्मद सुहैल

कलंक से पहले कौशल: मुस्लिम युवाओं का सशक्तिकरण

भारत के आर्थिक विकास के परिदृश्य में, बेरोज़गारी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, जो हाशिए पर पड़े समुदायों को असमान रूप से प्रभावित कर रही है। इनमें से, 20 करोड़ से ज़्यादा नागरिकों वाले मुस्लिम समुदाय को मुख्यधारा के आर्थिक अवसरों तक पहुँचने में बाधाओं का सामना करना पड़ा है क्योंकि व्यावसायिक प्रशिक्षण तक सीमित पहुँच, असंगठित विनिर्माण सुविधाएँ और सामाजिक कलंक, सभी ने आर्थिक बहिष्कार में योगदान दिया है। फिर भी, इस कड़वी सच्चाई के बीच, भारत सरकार की कौशल विकास पहलों के माध्यम से एक शांत क्रांति पनप रही है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), और दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई) जैसे कार्यक्रम हज़ारों युवा मुसलमानों को गरीबी और बेरोज़गारी के चक्र से बाहर निकलने में मदद कर रहे हैं। आजमगढ़, मुर्शिदाबाद और मेवात जैसे ज़िलों में, जहाँ एक बड़ी मुस्लिम आबादी रहती है, ये योजनाएँ स्थानीय ज़रूरतों के अनुसार अनुकूलित व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। मोबाइल मरम्मत, डिजिटल मार्केटिंग, इलेक्ट्रिकल तकनीशियन कार्य, एसी और रेफ्रिजरेशन सर्विसिंग, और पैरा-मेडिकल सेवाओं के पाठ्यक्रमों में उच्च नामांकन देखा जा रहा है। इसके अलावा, ये कार्यक्रम अक्सर निःशुल्क होते हैं और प्लेसमेंट सहायता के साथ आते हैं। युवा मुस्लिम पुरुषों के लिए जो अन्यथा दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर सकते हैं या बेरोजगार रह सकते हैं, इस तरह का प्रमाणन न केवल रोजगार क्षमता को बढ़ाता है बल्कि सम्मान भी बहाल करता है। इस कौशल क्रांति का एक विशेष रूप से परिवर्तनकारी पहलू मुस्लिम महिलाओं पर इसका प्रभाव है, जिन्हें पारंपरिक रूप से गतिशीलता और रोजगार पर अधिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता था। आज, जेएसएस केंद्र महिलाओं को फैशन डिजाइन, कार्यालय प्रबंधन, ब्यूटीशियन कार्य और सॉफ्ट स्किल्स में प्रशिक्षण दे रहे हैं। हैदराबाद के पुराने शहर में, सिलाई और ड्रेस-मेकिंग में प्रशिक्षित मुस्लिम महिलाओं के समूहों ने सहकारी समितियाँ बनाई हैं, जो ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म और स्थानीय बुटीक को वस्त्र आपूर्ति करती हैं। ये बदलाव स्टार्ट-अप इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे राष्ट्रीय मिशनों के साथ सहज रूप से संरेखित हैं। जैसे-जैसे अधिक मुसलमान उद्योग-संबंधित कौशल हासिल कर रहे हैं, वे नौकरी चाहने वालों से नौकरी देने वालों की ओर बढ़ रहे हैं। कानपुर में चमड़े के सामान की इकाइयों से लेकर केरल में हस्तनिर्मित स्किनकेयर ब्रांडों तक, कुशल मुस्लिम युवा सूक्ष्म उद्यम स्थापित कर रहे हैं जो न केवल आय उत्पन्न करते हैं बल्कि उनके समुदायों में रोजगार भी पैदा करते हैं। इन उपक्रमों को, यदि सूक्ष्म-वित्त, डिजिटल साक्षरता और बाजार पहुँच का समर्थन प्राप्त हो, तो स्टार्ट-अप इंडिया ढाँचे के तहत इनका विस्तार करने की क्षमता है। इसके अलावा, राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान और स्किल इंडिया डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म जैसी पहल ऑनलाइन और मिश्रित शिक्षण विकल्प प्रदान करती हैं, जिससे दूरस्थ या रूढ़िवादी पृष्ठभूमि के इच्छुक शिक्षार्थियों के लिए भाग लेना आसान हो जाता है। फिर भी, भाषा की सुलभता, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक पूर्वाग्रह जैसी कमियाँ अभी भी व्यापक भागीदारी को बाधित करती हैं। इस समस्या से निपटने के लिए, सरकार और नागरिक समाज को उर्दू सामग्री, स्थानीय प्रभावशाली लोगों, मदरसा और मस्जिद नेटवर्क के माध्यम से कौशल कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए सहयोग करना होगा। यह सांस्कृतिक संदर्भीकरण विश्वास की कमी को पाट सकता है और व्यापक रूप से अपनाए जाने को सुनिश्चित कर सकता है। बहुत लंबे समय से, भारत के मुसलमानों की आर्थिक क्षमता को नज़रअंदाज़ या राजनीतिकरण किया गया है। लेकिन कौशल विकास समावेशन का एक गैर-विवादास्पद, गहन रूप से सशक्त मार्ग प्रदान करता है। अब समय आ गया है कि हम अपने सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय को व्यावहारिक, बाज़ार-संरेखित कौशल प्रदान करें। भारत के आर्थिक लचीलेपन और समावेशी विकास का भविष्य इस बात पर निर्भर कर सकता है कि हम इन उभरते मुस्लिम उद्यमियों, श्रमिकों और नेताओं को अपनी राष्ट्रीय विकास गाथा में कितनी सफलतापूर्वक एकीकृत करते हैं।

मुगल सम्राट हुमायूं ने रखी राजपूत रानी कर्णावती की राखी की लाज

मोहम्मद जहीर

सन 1527 में खानुआ की लड़ाई मुगलों से लड़ते हुए राणा सांगा गंभीर रूप से घायल हुए, कुछ समय बाद उनकी मृत्यु हो गई। राणा सांगा को मृत्यु के बाद मेवाड़ पर गुजरात के मुस्लिम शासक बहादुर शाह ने आक्रमण किया। आक्रमण की जानकारी पहले से मिलने के कारण राणा सांगा की पत्नी कर्णावती ने मुगल शासक हुमायूं को एक चिट्ठी और राखी भेजी। कर्णावती ने हुमायूं से राखी और बहन का हवाला देते हुए, मेवाड़ और बहन की रक्षा करने की प्रार्थना की। रानी कर्णावती ने राजपूत राणाओं से भी मदद मांगी। परंतु कोई मदद के लिए तैयार ना हुआ। जब कर्णावती ने हुमायूं को चिट्ठी भेजी थी, उस वक्त वो ग्वालियर में था और बंगाल पर आक्रमण की तैयारी कर रहा था। उसने कर्णावती के पत्रवाहक से कहा "अपनी रानी साहिबा से कहिएगा कि वह अपना हौसला बनाए रखें, मैं जल्द ही अपनी सेना लेकर चित्तौड़ पहुंच रहा हूं।" लेकिन जब तक हुमायूं की सेना मेवाड़ पहुंची तब तक बहादुर शाह ने पहले ही आक्रमण कर दिया और रानी कर्णावती ने जौहर करके अपनी जान दे दी। यह खबर सुनकर हुमायूं को बहुत दुख हुआ। हुमायूं ने बहन कर्णावती की राखी की लाज को रखते बहादुर शाह को चित्तौड़ से मार भगाया और चित्तौड़ का सिंहासन कर्णावती और राणा सांगा के बड़े बेटे विक्रमादित्य के हवाले कर दिया। यदि उस समय हिंदू-मुस्लिम होता, तो हुमायूं क्यों दूसरे मुस्लिम शासक से युद्ध लड़ता? और क्यों अपनी हिंदू बहन और राणा सांगा की पत्नी कर्णावती के बेटे को मेवाड़ की गद्दी पर बैठाता। इसलिए कहा जा सकता है कि वर्तमान में हिंदू-मुस्लिम के बीच जो नफरत का बीज बोया जा रहा है यह सिर्फ राजनीति और कुर्सी पाने की लड़ाई है।

BSF में constable के 3588 पदों पर भर्ती; 10वीं पास करें अप्लाई

बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स यानी BSF में constable ट्रेड्समैन के पदों पर भर्ती निकली है। इसके लिए डिटेल्स नोटिफिकेशन ऑफिशियल वेबसाइट rectt.bsf.gov.in पर जारी किया गया है। इन भर्ती के लिए आवेदन आज 25 जुलाई से शुरू हो गए हैं। जो उम्मी.दवार इस भर्ती के लिए योग्यभ और इच्छुहक हैं, वे फौरन पूरी जानकारी चेक करें और ऑनलाइन आवेदन दर्ज करें।

आवेदन शुरू :
25 जुलाई से 25 अगस्त 2025 तक

वैकेंसी डिटेल्सर :
पुरुष - 3406 पद
महिला - 182 पद
कुल - 3588 पद

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
कैंडिडेट को 10वीं पास होना चाहिए।
संबंधित ट्रेड में ITI सर्टिफिकेट होना चाहिए।

एज लिमिट :
अनारक्षित केटेगरी के उम्मीदवारों की उम्र 18 से 25 साल के बीच होनी चाहिए।
OBC कैंडिडेट्स को अधिकतम आयु में 3 साल की छूट मिलेगी।
SC/ST कैंडिडेट्स को अधिकतम आयु में 5 साल की छूट मिलेगी।

सिलेक्शिन प्रोसेस :
सिलेक्शन प्रोसेस के 4 फेज हैं -
1. फिजिकल टेस्ट
पुरुष कैंडिडेट्स को 5 किमी की दौड़ 24 मिनट में पूरी करनी होगी। महिला कैंडिडेट्स को 1.6 किमी की दौड़ 8.30 मिनट में पूरी करनी होगी।
फिजिकल टेस्ट केवल क्वा लिफाइंग नेचर का होगा।
2. लिखित परीक्षा
कैंडिडेट्स को 100 सवालों की ऑब्जेक्टिव टाइप परीक्षा से गुजरना होगा। परीक्षा ऑनलाइन यानी CBT मोड में होगी। इसके लिए कुल 2 घंटे का समय मिलेगा।
3. डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन
कैंडिडेट्स को अपने सभी ओरिजिनल डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन के लिए फिजिकली उपस्थित करने होंगे।
4. ट्रेड टेस्ट्स
जिस ट्रेड के लिए अप्ला ई करेंगे, उससे संबंधित टेस्ट होगा। जैसे- टेलर, वॉशरमैन, स्वीडपर के लिए ट्रेड टेस्ट आयोजित किया जाएगा।

फीस :
जनरल/OBC/EWS : 100 रुपए
SC/ST/महिला : निशुल्कए

सैलरी :
चयनित कैंडिडेट्स को 21,700 से लेकर 69,100 रुपए तक प्रतिमाह सैलरी मिलेगी।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rectt.bsf.gov.in पर जाएं।
constable ट्रेड्समैन भर्ती के लिंक पर क्लिक करें।
बेसिक जानकारियां भरकर सब्मिट करें और डॉक्यू मेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फाइनल सब्मिट कर दें।

बैंक ऑफ बड़ौदा में 417 पदों पर निकली भर्ती

बैंक ऑफ बड़ौदा ने मैनेजर सहित 400 से ज्यादा पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
06 अगस्त से 26 अगस्त 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मैनेजर सेल्स : पद के अनुसार ग्रेजुएशन की डिग्री,मार्केटिंग, सेल्स, बैंकिंग में एमबीए, पीजीडीएम
ऑफिसर, मैनेजर - एग्री सेल्स : एग्रीकल्चर से संबंधित विषय में 4 साल की डिग्री

एज लिमिट :
मैनेजर सेल्स : 24 - 34 साल
ऑफिसर - एग्री सेल्स : 24 - 36 साल
मैनेजर - एग्री सेल्स : 26 - 42 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन टेस्ट
ग्रुप डिस्कशन
साइकोमैट्रिक टेस्ट
इंटरव्यू

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 850 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी, महिला : 175 रुपए

सैलरी :
85,920 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाएं।
अब 'Recruitment of Local Bank Officer 2025' लिंक चुनें।
नया पेज खुलने पर 'Current openings' टैब पर क्लिक करें।
यहां अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन करके फॉर्म भरें।

आवश्यकता

हेल्पर स्टाफ की जरूरत है जिन्हें लोहे का काम आता हो या पावर प्रेस का काम आता हो कांटेक्ट करें : +919001876353 सैलरी काम देखने के बाद में डिसाइड की जाएगी ! इदरीश अहमद साहब ईदगाह दिल्ली रोड जयपुर

हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री के लिए हैंडीक्राफ्ट कर्मी (हैंडीक्राफ्ट आर्टिस्ट) की जरूरत है जिनको हैंडीक्राफ्ट का पूरा काम आता हो! सैलरी : ₹ 20K से ₹30,000 तक @ HR इरफान अख्तर 9828733222

वॉटर R O और एयर कंडीशनर इंस्टॉलेशन के लिए स्टाफ की जरूरत है जिस स्टाफ को काम आता है वहीं स्टाफ अप्लाई करें जॉब लोकेशन : सोडाला, सी स्कीम जयपुर सैलरी : 16 से ₹25,000 तक कॉल @ HR इरफान अख्तर 9828 733 222

ज्वेलरी केड डिजाइनर डिजाइनर टीचर की जरूरत है : स्टाफ चाहे तो पार्ट टाइम या फुल टाइम दोनों ही कर सकते हैं जॉब लोकेशन : चार दरवाजा & आदर्श नगर Call at HR 98287-33222

Need A Digital Marketing Expert Staff (SEO + Google + Meta Ads + Shopify + Wordpress) Salary 35K to 50K At Tonk Road - Jaipur HR @ 98287-33222 Limra Foundation

राजा पार्क में Alibaba.com Executive और फोटोग्राफर की जरूरत है ! जॉब लोकेशन : राजा पार्क कांटेक्ट करें! 9828733222

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले दैनिक रॉयल पत्रिका एवं डिजिटल रॉयल पत्रिका के लिए 5 रिपोर्टर्स एवं 2 विज्ञापन लाने के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार, अनुभवी को प्राथमिकता। इंटर्नशिप करने के इच्छुक उम्मीदवार भी संपर्क कर सकते हैं।
इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र संपर्क करें -

संपर्क करें -
- royalpatrika@gmail.com
- +91-9772552446

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में 588 पदों पर भर्ती

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने 588 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवारों को अपना आवेदन गुगल फॉर्म के जरिए NAPS पोर्टल पर सब्मिट करना होगा।
इंजीनियरिंग ग्रेजुएट अप्रेंटिस, डिप्लोमा और नॉन टेक्निकल ग्रेजुएट अप्रेंटिस के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 10 अगस्त तय की गई है। वहीं आईटीआई अप्रेंटिस के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 2 सितंबर तय की गई है।

आवेदन शुरू :
16 जुलाई से 02 सितंबर 2025 तक

वैकेंसी डिटेल्स :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 130 पद
डिप्लोमा अप्रेंटिस : 60 पद
नॉन-टेक्निकल अप्रेंटिस : 88 पद
आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिस : 310 पद
कुल पदों की संख्या : 588

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा, डिग्री या आईटीआई की डिग्री

एज लिमिट :
हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड नियमों के अनुसार

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल फिटनेस
पुलिस वेरिफिकेशन

स्टाइपेंड :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 9,000 रुपए प्रति माह
डिप्लोमा अप्रेंटिस : 8,000 रुपए प्रति माह
2 वर्षीय ट्रेड आईटीआई अप्रेंटिस : 8,050 रुपए प्रतिमाह
1 वर्षीय ट्रेड आईटीआई अप्रेंटिस : 7,700 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
NAPS पोर्टल apprenticeship-india.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करें।
जरूरी डिटेल्स के साथ गूगल फॉर्म भरें।
NAPS पोर्टल पर अपनी प्रोफाइल कंप्लीट करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 2418 पदों पर निकली भर्ती

-10वीं पास को मौका, फीस 100 रुपए

आरआरसी ने सेंट्रल रेलवे मुंबई में 2418 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rrccr.com पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। रेलवे में अप्रेंटिस ट्रेनिंग एक साल के लिए दी जाएगी।

जॉब लोकेशन :
पुणे
सोलापुर
जलगांव
नागपुर
मुंबई

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
कम से कम 50% मार्क्स के साथ 10वीं पास
संबंधित ट्रेड में आईटीआई की डिग्री

एज लिमिट :
अधिकतम : 24 साल
सरकारी नियमों के अनुसार उम्र में छूट दी जाएगी।

फीस :
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, महिला : निःशुल्क
अन्य : 100 रुपए

स्टाइपेंड :
7000 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.rrc-cr.com पर जाएं।
संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।
अपना नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर और अन्य जानकारी दर्ज करें।
बर्थ सर्टिफिकेट सहित जरूरी डाक्यूमेंट्स की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
यदि लागू हो तो रजिस्ट्रेशन फीस जमा करें।
फाइनल सब्मिट कर सेव कर लें या प्रिंटआउट ले लें।

राजस्थान में AEE के 281 पदों पर भर्ती

राजस्थान पब्लिक सर्विस कमीशन (RPSC) की ओर से असिस्टेंट एग्रीकल्चर इंजीनियर (AAE) के पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार आरपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाकर या SSO पोर्टल sso.rajasthan.gov.in पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
28 जुलाई से 26 अगस्त 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की हो।
देवनागरी लिपि में हिन्दी का ज्ञान।
राजस्थानी संस्कृति का ज्ञान होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 वर्ष
अधिकतम : 40 वर्ष

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
मेरिट बेसिस पर

सैलरी :
पे मैट्रिक्स लेवल – 14 के अनुसार

ऐसे करें आवेदन :
आयोग की वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाएं।

राजस्थान में 3225 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

-14 अगस्त से शुरू आवेदन, सैलरी 1 लाख 40 हजार तक

राजस्थान में शिक्षकों के 3225 पदों पर भर्ती नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 14 अगस्त से शुरू हो रही है। उम्मीदवार वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन की डिग्री।
देवनागरी लिपि में हिन्दी का ज्ञान।
राजस्थानी संस्कृति का ज्ञान होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 वर्ष
अधिकतम : 40 वर्ष

फीस :
सामान्य/ओबीसी : 600 रुपए
ओबीसी (एनसीएल)/ ईडब्ल्यूएस : 400 रुपए
एससी/एसटी/दिव्यांग : 400 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
पीईटी और पीएसटी टेस्ट
पर्सनल इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

सैलरी :
लेवल - 12 के अनुसार 44,300 - 1,40,100 रुपए प्रतिमाह

एग्जाम पैटर्न : पेपर - 1 में शामिल विषय :
हिस्ट्री ऑफ राजस्थान एंड इंडिया विद स्पेशल रिफरेंस टू राजस्थान
मेंटल एबिलिटी टेस्ट
करंट अफेयर्स
जनरल साइंस, इंडियन पॉलिटी एंड जियोग्राफी ऑफ राजस्थान
एजुकेशनल मैनेजमेंट
प्रश्नों की संख्या : 75
टोटल मार्क्स : 150
टाइम लिमिट : डेढ़ घंटा

पेपर - 2 में शामिल विषय :
सीनियर सेकेंडरी लेवल सब्जेक्ट नॉलेज
ग्रेजुएशन लेवल सब्जेक्ट नॉलेज
पोस्ट ग्रेजुएशन लेवल सब्जेक्ट नॉलेज
एजुकेशनल पेडागॉजी, पेडागॉजी टीचिंग लर्निंग
प्रश्नों की संख्या : 150
टोटल मार्क्स : 300
टाइम लिमिट : 3 घंटे

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर दिए गए 'Apply Online' लिंक पर क्लिक करें।
'New Registration' पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।
अब अपने रजिस्ट्रेशन ID और पासवर्ड से लॉगिन करें।
फॉर्म भरकर, फीस पे करें और सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(रणनीति)

(पिछले अंक से जारी)

खेल और संस्कृति

76. 2024 में किस भारतीय सांस्कृतिक स्थल को यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया?
(a) माजुली द्वीप (b) कोणार्क मंदिर (c) ताजमहल (d) हंपी

77. निम्नलिखित में से कौन सा खेल आयोजन 2024 में हुआ?
(a) कॉमनवेल्थ गेम्स
(b) पेरिस ओलंपिक
(c) एशियन गेम्स
(d) फीफा विश्व कप

78.भारत ने 2023 एशियन गेम्स में कितने पदक जीते?
(a) 87 (b) 107
(c) 127 (d) 147

79.निम्नलिखित में से कौन सा सांस्कृतिक उत्सव भारत में मनाया जाता है?
(a) दीवाली (b) क्रिसमस
(c) ईद (d) उपरोक्त सभी

80.निम्नलिखित में से कौन सा भारतीय संगीत शास्त्रीय है?
(a) भजन (b) हिंदुस्तानी संगीत
(c)बॉलीवुड संगीत(d) लोक संगीत

मिश्रित समसामयिक प्रश्न

81.2024 में भारत का राष्ट्रपति कौन था?
(a)रामनाथ कोविंद (b) द्रौपदी मुर्मू
(c) प्रणब मुखर्जी (d) प्रतिभा पाटिल

82.निम्नलिखित में से कौन सा देश 2024 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था?
(a) अमेरिका (b) चीन
(c) रूस (d) जापान

83.भारत ने 2024 में किस देश के साथ मुक्त व्यापार समझौता (FTA) पर हस्ताक्षर किए?
(a) ऑस्ट्रेलिया (b) ब्रिटेन
(c) कनाडा (d) जर्मनी

84. निम्नलिखित में से कौन सा मिशन डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देता है?
(a) स्किल इंडिया
(b) डिजिटल इंडिया (c) मेक इन इंडिया (d) स्टार्टअप इंडिया

85.2024 में भारत का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र कहाँ स्थापित हुआ?
(a) गुजरात (b) राजस्थान
(c) मध्य प्रदेश (d) कर्नाटक

86.निम्नलिखित में से कौन सा संगठन भारत का अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन है?
(a) DRDO (b) ISRO
(c) BARC (d) HAL

87.भारत ने 2024 में किस देश के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास 'मित्र शक्ति' किया?
(a) श्रीलंका (b) बांग्लादेश
(c) नेपाल (d) मालदीव

88.निम्नलिखित में से कौन सा पुरस्कार साहित्य के लिए दिया जाता है?
(a) भारत रत्न
(b) ज्ञानपीठ पुरस्कार
(c) पद्म श्री (d) अर्जुन पुरस्कार

89.2024 में भारत की GDP वृद्धि दर क्या थी (IMF अनुमान)?
(a) 5.5% (b) 6.8%
(c) 7.5% (d) 8.2%

90.निम्नलिखित में से कौन सा मिशन स्टार्टअप्स को बढ़ावा देता है?
(a) स्टार्टअप इंडिया (b) स्किल इंडिया (c) डिजिटल इंडिया
(d) मेक इन इंडिया

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

उत्तर कुंजी

76. (a) माजुली द्वीप
77. (b) पेरिस ओलंपिक
78. (b) 107
79. (d) उपरोक्त सभी
80. (b) हिंदुस्तानी संगीत
81. (b) द्रौपदी मुर्मू
82. (a) अमेरिका
83. (a) ऑस्ट्रेलिया
84. (b) डिजिटल इंडिया
85. (b) राजस्थान
86. (b) ISRO
87. (a) श्रीलंका
88. (b) ज्ञानपीठ पुरस्कार
89. (b) 6.8%
90. (a)

किडनी खराब होने से बचाने के लिए रोज कितना पानी पीना चाहिए

-पानी की सही मात्रा जानकर रखें किडनी को हेल्दी, डॉक्टर ने बताए आसान टिप्स

पानी सिर्फ प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि जीवन के लिए सबसे बुनियादी जरूरत है। शरीर के लगभग 60-70% हिस्से में पानी मौजूद होता है और यह हर अंग के सही तरीके से काम करने के लिए आवश्यक है। खासकर किडनी (गुर्दे) के लिए पानी एक तरह से "जीवन रक्षक" है।
किडनी का मुख्य काम है – खून से अपशिष्ट पदार्थ (वेस्ट), टॉक्सिन्स और अतिरिक्त पानी को छानकर मूत्र के रूप में बाहर निकालना। लेकिन अगर हम पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते, तो यह प्रक्रिया धीमी हो जाती है और किडनी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। लंबे समय में यह आदत किडनी फेलियर, पथरी (किडनी स्टोन) और अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है।

किडनी के लिए पानी क्यों जरूरी है?

वेस्ट को बाहर निकालना: पानी शरीर से यूरिया, क्रिएटिनिन और अन्य टॉक्सिन्स को मूत्र के जरिए बाहर निकालने में मदद करता है। किडनी स्टोन से बचाव: पर्याप्त पानी पीने से मूत्र पतला रहता है और इसमें मिनरल्स का जमाव नहीं होता, जिससे पथरी बनने का खतरा कम हो जाता है। ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखना: पानी सही मात्रा में होने से ब्लड वॉल्यूम ठीक रहता है, जिससे हाई ब्लड प्रेशर का खतरा घटता है – और यह किडनी हेल्थ के लिए फायदेमंद है। इंफेक्शन से बचाव: पर्याप्त पानी पीने से यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (UTI) की संभावना कम हो जाती है।
डॉक्टरों के मुताबिक रोज कितना पानी पीना चाहिए?
नेफ्रोलॉजिस्ट और डाइटीशियन के अनुसार, एक स्वस्थ व्यक्ति को रोजाना 2 से 3 लीटर (लगभग 8–12 गिलास) पानी पीना चाहिए। हालांकि, यह मात्रा उम्र, वजन, मौसम और एक्टिविटी लेवल पर निर्भर करती है।

सामान्य गाइडलाइन:
पुरुष: लगभग 3 लीटर (12–13 गिलास)
महिला: लगभग 2.2 लीटर (8–10 गिलास)
गर्मी के मौसम में: पसीने की वजह से ज्यादा पानी की जरूरत होती है – लगभग 3.5 लीटर तक।
एक्सरसाइज करने वालों को: पसीना ज्यादा निकलने पर पानी के साथ इलेक्ट्रोलाइट्स भी लेना चाहिए।

कम पानी पीने के नुकसान

किडनी फेलियर: लंबे समय तक डिहाइड्रेशन किडनी को स्थायी नुकसान पहुंचा सकता है।
किडनी स्टोन: पानी की कमी से मिनरल्स क्रिस्टल का रूप ले लेते हैं और पथरी बनाते हैं।
यूटीआई का खतरा: बैक्टीरिया आसानी से पनपते हैं क्योंकि मूत्र का फ्लो कम हो जाता है।
थकान और चक्कर: शरीर में पानी की कमी से ब्लड सर्कुलेशन और ऑक्सीजन सप्लाई प्रभावित होती है।

कितना पानी ज्यादा है?

ज्यादा पानी पीना भी हानिकारक हो सकता है, खासकर अगर आपकी किडनी या हार्ट में पहले से कोई समस्या है। बहुत ज्यादा पानी पीने से हाइपोनेट्रेमिया (शरीर में सोडियम लेवल का गिरना) हो सकता है, जो खतरनाक है।
इसलिए, पानी की मात्रा हमेशा डॉक्टर की सलाह और अपने शरीर के संकेतों के अनुसार लें।

पानी पीने का सही तरीका

सुबह खाली पेट: उठते ही 1–2 गिलास गुनगुना पानी पिएं।
थोड़ा-थोड़ा कर के: एक साथ बहुत ज्यादा पानी न पिएं, दिनभर में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पिएं।
प्यास का इंतजार न करें: प्यास लगना डिहाइड्रेशन का पहला संकेत है, इसलिए समय-समय पर पानी पिएं।
गर्मी में ज्यादा ध्यान: धूप में या पसीना आने पर पानी की मात्रा बढ़ाएं।

किडनी हेल्थ के लिए अतिरिक्त टिप्स

सोडा और कोल्ड ड्रिंक से बचें: इनमें मौजूद फॉस्फेट और शुगर किडनी को नुकसान पहुंचाते हैं।
संतुलित डाइट लें: नमक और प्रोसेस्ड फूड कम करें।
ब्लड प्रेशर और शुगर कंट्रोल करें: डायबिटीज और हाई बीपी किडनी खराब होने के मुख्य कारण हैं।
रेगुलर चेकअप कराएं: अगर फैमिली में किडनी डिजीज का इतिहास है तो साल में कम से कम एक बार किडनी फंक्शन टेस्ट करवाएं।
किडनी को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना पर्याप्त पानी पीना एक आसान और प्रभावी तरीका है। डॉक्टरों का कहना है कि औसतन 2–3 लीटर पानी पीना अधिकांश लोगों के लिए सुरक्षित और फायदेमंद है।
ध्यान रखें, पानी सिर्फ जीवन का आधार नहीं, बल्कि आपकी किडनी का सबसे अच्छा दोस्त भी है। आज से ही अपने पानी पीने की आदत को सही करें और अपनी किडनी को लंबे समय तक स्वस्थ रखें।

Biology स्टूडेंट मेडिकल के अलावा इन 5 फील्ड में बना सकते हैं करियर

आज के समय में ज्यादातर बच्चे जो Biology स्ट्रीम चुनते हैं, उनका पहला सपना डॉक्टर बनना होता है। MBBS या मेडिकल की पढ़ाई को लेकर छात्रों में बहुत क्रेज है। लेकिन हकीकत यह है कि मेडिकल सीटें बहुत सीमित हैं और प्रतियोगिता काफी कठिन है। हर साल लाखों बच्चे NEET जैसे एग्जाम में शामिल होते हैं, लेकिन केवल कुछ हज़ार को ही एडमिशन मिल पाता है। आइए जानते हैं ऐसे 5 करियर विकल्प, जहां बायोलॉजी स्टूडेंट्स मेडिकल के अलावा भी चमकदार करियर बना सकते हैं।

बायोटेक्नोलॉजी (Biotechnology)

बायोटेक्नोलॉजी को बायोलॉजी और टेक्नोलॉजी का बेहतरीन मेल कहा जाता है। इस फील्ड में जीव विज्ञान के सिद्धांतों का इस्तेमाल करके नई दवाइयाँ, वैक्सीन, फूड प्रोडक्ट्स, एनवायरनमेंट फ्रेंडली टेक्नोलॉजी और जेनेटिक रिसर्च की जाती है।

क्यों चुनें यह फील्ड?

इसमें रिसर्च और इनोवेशन के ढेरों मौके हैं। मेडिकल रिसर्च कंपनियां, फार्मा इंडस्ट्री, फूड प्रोसेसिंग, एग्रीकल्चर और पर्यावरण क्षेत्र में बायोटेक्नोलॉजिस्ट की बड़ी डिमांड है। आने वाले समय में जीन एडिटिंग (CRISPR), क्लोनिंग और सेल थेरेपी जैसी तकनीकें इस सेक्टर को और भी बड़ा बना देंगी।

कोर्स
B.Sc./M.Sc. in Biotechnology
B.Tech/M.Tech in Biotechnology

सैलरी
शुरुआती स्तर पर 4–6 लाख रुपये प्रतिवर्ष।
अनुभव और रिसर्च के साथ 10–20 लाख रुपये सालाना या उससे ज्यादा भी।

माइक्रोबायोलॉजी (Microbiology)

माइक्रोबायोलॉजी जीवाणुओं (microorganisms) की दुनिया का अध्ययन है। इसमें बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और अन्य सूक्ष्मजीवों की संरचना, कार्य और उनके उपयोग को समझा जाता है। यह फील्ड आज फार्मास्युटिकल्स, हैल्थ सेक्टर, एनवायरनमेंटल साइंस और फूड इंडस्ट्री में अहम भूमिका निभा रही है।

क्यों चुनें यह फील्ड?

वैक्सीन और एंटीबायोटिक बनाने से लेकर वेस्ट मैनेजमेंट और फूड प्रिजर्वेशन तक, माइक्रोबायोलॉजिस्ट हर जगह ज़रूरी हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान माइक्रोबायोलॉजिस्ट की अहमियत पूरी दुनिया ने देखी।

कोर्स
B.Sc./M.Sc. in Microbiology
Specialized courses in Medical Microbiology, Industrial Microbiology

सैलरी
शुरुआती स्तर पर 3–5 लाख रुपये सालाना।
अनुभव और रिसर्च के साथ 12–18 लाख रुपये प्रतिवर्ष।

एनवायरनमेंटल साइंस (Environmental Science)

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, वनों की कटाई और ग्लोबल वॉर्मिंग जैसी समस्याओं से जूझ रही है। ऐसे में एनवायरनमेंटल साइंस का महत्व बहुत बढ़ गया है। इस फील्ड में बायोलॉजी के स्टूडेंट्स पर्यावरण की सुरक्षा, रिसर्च और नीतियों को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

क्यों चुनें यह फील्ड?

गवर्नमेंट और प्राइवेट सेक्टर में एनवायरनमेंट एक्सपर्ट्स की भारी मांग है। NGOs, वाइल्डलाइफ ऑर्गेनाइजेशन, यूनाइटेड नेशंस, वर्ल्ड बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थान भी इस क्षेत्र में काम कर रहे युवाओं को मौका देते हैं।

कोर्स
B.Sc./M.Sc. in Environmental Science
Diploma in Environment Management
Ph.D. in Environment Studies

सैलरी
शुरुआती स्तर पर 4–6 लाख रुपये प्रतिवर्ष।
अनुभव और अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स से जुड़ने पर 15–20 लाख रुपये सालाना।

जेनेटिक्स और जीनोमिक्स (Genetics and Genomics)

जेनेटिक्स वह फील्ड है जिसमें DNA, जीन्स और वंशानुगति (heredity) का अध्ययन किया जाता है। आधुनिक समय में यह क्षेत्र काफी तेजी से बढ़ रहा है। कैंसर रिसर्च, जेनेटिक डिज़ीज़ और पर्सनलाइज्ड मेडिसिन जैसी नई खोजें इसी से जुड़ी हैं।

क्यों चुनें यह फील्ड?

आने वाला दौर पर्सनलाइज्ड हेल्थकेयर का है, जहां हर इंसान की बीमारी और इलाज उसकी जेनेटिक प्रोफाइल देखकर तय किया जाएगा। जेनेटिक्स रिसर्च लैब्स, IVF क्लिनिक, हॉस्पिटल्स और बायोटेक कंपनियों में जेनेटिक्स एक्सपर्ट्स की भारी मांग है।

कोर्स
B.Sc./M.Sc. in Genetics
M.Sc./Ph.D. in Genomics and Molecular Biology

सैलरी
शुरुआती स्तर पर 5–7 लाख रुपये सालाना।
अनुभव के साथ 15–25 लाख रुपये प्रतिवर्ष।

फॉरेंसिक साइंस (Forensic Science)

फॉरेंसिक साइंस अपराधों की गुत्थी सुलझाने में अहम भूमिका निभाती है। इसमें DNA टेस्टिंग, फिंगरप्रिंट एनालिसिस, टॉक्सिकोलॉजी और क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है।

क्यों चुनें यह फील्ड?

जॉब का दायरा पुलिस डिपार्टमेंट, CBI, IB, NIA, लैब्स और कोर्ट केस तक फैला हुआ है। फिल्मों और सीरियलों के कारण भी इस फील्ड का आकर्षण युवाओं में बहुत बढ़ा है।

कोर्स
B.Sc./M.Sc. in Forensic Science
Diploma in Criminology and Forensic Science

सैलरी
शुरुआती स्तर पर 3–5 लाख रुपये सालाना।
अनुभव के साथ 10–15 लाख रुपये प्रतिवर्ष।

एसडीपीआई बारां इकाई ने मनाया बड़ी धूमधाम से स्वतन्त्रता दिवस

बारां (रॉयल पत्रिका)। एसडीपीआई द्वारा 79वां स्वतंत्रता दिवस अंजुमन चौराहे पर मनाया गया। स्वतन्त्रता दिवस प्रोग्राम का आगाज जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू भाई ने झंडारोहण करके किया जिसमें प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर रंगरेज ने अपने सम्बोधन में कहा कि 15 अगस्त 1947 को हमारा भारत देश आज़ाद हुआ। आज़ाद भारत का धर्मनिरपेक्ष संविधान बना। आजादी के बाद हमारे देश ने हर क्षेत्र में तरक्की के आयाम स्थापित किए। आजादी के बाद जो नारा दिया जय जवान जय किसान इस नारे को हमारे देश के किसानो ने सार्थक साबित किया। हमारे देश जवान सैनिक आज भी सरहद पर देश कि हिफ़ाज़त के लिये अपनी जान की परवाह किए बिना दिन रात पहरा देते है। आज हम भारत वासी यह संकल्प ले कि हम हमारे देश कि एकता आपसी सोहार्द बनाये रखेंगे। हमारे देश कि उन्नति तरक्की विकास में हम हमेशा सहयोग करते रहेंगे। स्वतन्त्रता दिवस प्रोग्राम को अंजुमन इत्तेहादे बहामी के तहसील सदर अलीम मंसूरी, पार्षद असलम अंसारी ने भी संबोधित किया। ज़िला उपाध्यक्ष शहादत अन्सारी ने 79वें स्वतन्त्रता दिवस मे शामिल हुये सभी कार्यकर्ताओं का शुक्रिया अदा किया। प्रोग्राम में ज़िलाध्यक्ष अब्दुल अजीज शहादत हुसैन, इफ़्तिखार अहमद, जाकिर रंगरेज, अलीम मंसूरी, इरशाद अंसारी, गुलशेर अहमद, हाजी वहीद चने वाले, कदीर मामाजी, वसीम शैख, अशफ़ाक खान, पार्षद असलम, कालु, रिंकू मन्सुरी, नाज़िश अंसारी सहित अन्य एसडीपीआई के कार्यकर्ता व समर्थक उपस्थित रहे। वोट चोरी, फर्जी वोट लिस्ट, ईवीएम हैकिंग एवं मनमान चुनावी परिणामों देने चुनाव आयोग देश के लोकतंत्र को कमजोर करने पर तुला हुआ है। कोई व्यक्ति, राजनीतिक दल, संस्था यदि चुनाव आयोग की कमजोरी ढूंढता है तो चुनाव आयोग उसी से जवाब मांगने लग जाता है। चुनाव आयोग किसी भी शिकायत की जांच करने में रुचि नहीं लेता है। कई बार तो चुनाव आयोग ऐसे ऐसे हास्यपद दलित देता है जो चुनाव आयोग के पक्षपाती होने की और संकेत करता है। अब तो कई दल चुनाव आयोग पर फर्जी तरह से वोट जोड़ने और घटाने के आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने फर्जी और जोड़ने और हटाने के ठोस सबूत दे दिए हैं फिर भी चुनाव आयोग कोई कार्यवाही करने को तत्पर नहीं दिखाई दे रहा है। आखिर सुप्रीम कोर्ट को चुनाव आयोग को हटाए गए और जोड़े गए वोटो की पूरी लिस्ट वेबसाइट पर डालने का आदेश दिया है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग की साख देश की जनता की नजर में काफी नीचे आ गई है। वोट की चोरी लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ है। चुनाव आयोग में अयोग्य चुनाव आयुक्त बैठे हुए हैं। जो चुनाव प्रक्रिया की पूरी तरह मॉनिटरिंग नहीं कर पा रहे हैं। चुनावों में किसी भी तरह की धंधली को नहीं रोक पाना चुनाव आयोक्तों का बड़ा अपराध है। जिसकी सजा उसको मिलनी चाहिए।

जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर राज्य स्तर पर सम्मानित

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बारां जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 15 अगस्त को जोधपुर स्थित बरकतुल्ला स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में उन्हें योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की विभिन्न योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए प्रदान किया गया। विशेष रूप से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में पात्र परिवारों एवं सदस्यों की केवाईसी, एलपीजी सब्सिडी गिवअप अभियान, आधार सीडिंग तथा नवीन पात्र परिवारों के चयन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिला कलक्टर तोमर के इन उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें राज्य के लिए प्रेरणास्रोत बताया। उल्लेखनीय है कि जिला कलक्टर तोमर ने 14 अगस्त को माननीय राज्यपाल कलराज मिश्र द्वारा जोधपुर के मेहरानगढ़ फोर्ट में आयोजित एट होम कार्यक्रम में भी शिरकत की थी।

अंजुमन इत्तिहाद-ए-बाहमी जिला बारां की कार्यकारिणी घोषित

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंजुमन इत्तिहाद-ए-बाहमी जिला बारां की शूरा की बैठक अंजुमन मेरीज हाल में सम्पन्न हुई। बैठक में समाज की भलाई, शिक्षा, और संस्था की आगामी रणनीतियों, सामाजिक मुद्दों और समुदाय के विकास से जुड़ी योजनाओं को लेकर चर्चा की गई, संगठन को मजबूत व गती प्रदान करने के लिए जिला बारां के नवनियुक्त सदर आबिद हुसैन अंसारी व शूरा मेंबर ने अपनी नई कार्यकारिणी गठित की, जिसमें जनरल सेक्रेटरी के पद पर अब्दुल मतीन को चुना गया। नायब सदर के पद पर हाजी नासिर मिर्जा, हाजी अब्दुल हसीब, हाजी अनवर अली पीटीआई, कोषाध्यक्ष हाजी इकबाल मेडिकल वाले, प्रेस प्रवक्ता शाहिद इकबाल भाटी को नियुक्त किया गया। इस दोरान अंजुमन इस्लामिया के सदर माजिद सलीम, नायब सदर जाकिर मंसूरी, पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी, पूर्व वक्फ बोर्ड चेयरमैन साजिद सलीम, वक्फ बोर्ड चेयरमैन इरफान अंसारी, इकबाल नेता, मुफ्ती मोहम्मद उमर, अशरफ देशवाली, शाहिद कुंडी, ईदगाह सदर सद्दाम हुसैन अंसारी, मोलाना अख्तर नदवी, मोलाना इम्तियाज, अजीज अंसारी, अब्दुल अजीज अज्जू, पार्षद जाकिर खान, अख़लाक़ अंसारी, बारां तहसील सदर अलीम मंसूरी, सईद अंसारी डिस्क, हिसामुद्दीन सिद्दीकी, मोहम्मद वासीद खान, हाजी वसीम अहमद, इफ्तिखार अहमद बबलू आदि शूरा मेंबर जिम्मेदार मौजूद रहे।

ए.एम.पी. कोटा की जानिब से अंब्रेला सिलाई मशीन भेंट की

कोटा (रॉयल पत्रिका)। रविवार 17 अगस्त को ए.एम.पी चेप्टर कोटा की जानिब से ए एम पी अंतर्गत संचालित इण्डिया ज़कात डॉट कॉम द्वारा स्वरोजगार हेतु चयनित महिला आशार्थी को अम्ब्रेला सिलाई मशीनभेंट की गई।

इस अवसर पर ए एम पी कोटा चेप्टर हेड क़मरूज़्ज़मां खान, क्लस्टर हेड इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी, हसन जुबेर, अब्दुल मजीद अंसारी और रिज़वानुद्दीन अंसारी मौजूद रहे। आगे भी स्वरोजगार हेतु ज़रूरतमंद लोगों की सहायता हेतु अभियान जारी रहेगा।

रोटरी क्लब ने पौधे लगाकर दिया हरियाली का संदेश

बारां (रॉयल पत्रिका)। रोटरी क्लब अध्यक्ष सूर्य प्रकाश विजय व सचिव महेश तिवारी ने बताया कि रोटरी परिवार की तरफ से आर्य वाटिका में वृक्षारोपरण का कार्यक्रम जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया के मुख्यातिथ्य में समपन्न हुआ जिसमें हरयालों के तहत 21 प्लान्ट (पौधे) लगाये गये। अध्यक्ष ने आये हुए सभी रोटरी परिवार का स्वागत किया। वृक्षारोपण के पश्चात गेट-टूगेदर रखा गया। एक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें आगामी समय में रोटरी द्वारा किये जाने वाले सेवाभाव के कार्यों की रूप रेखा तैयारी को लेकर विचार-विमर्श किया गया। मुख्य अतिथि उर्मिला जैन भाया ने अपने सम्बोधन में कहा कि रोटरी हमेशा से सेवा के कार्य करती आई है। पौधारोपण न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि सामाजिक, आर्थिक और व्यक्तिगत स्तर पर भी अत्यंत लाभकारी होता है। वृक्षों के पर्यावरणीय लाभ जैसे- वायु शुद्धि, जल संरक्षण, मृदा संरक्षण व जैविक विविधता का संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक और स्वास्थ्य लाभ भी है। इसलिए हम सभी को खुशी के हर मौके पर एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. त्रिवेश बरदानिया द्वारा किया गया। दीपक भाई पतीरा, प्रकाश टोंग्या, धीरज तिवारी, आदित्य जैन, सुनील जैन, विवेक जैन, दीपक गुप्ता, विकास जैन, राजेन्द्र मित्तल, डॉ. प्रवेश बरदानिया, डॉ. सतीश गोयल, पंकज मारू विवेक जैन, जितेन्द्र कुमार, पहली महिला कल्पना विजय रोटरी आदि उपस्थित रहे। महेश तिवारी द्वारा प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सेवा कार्यों में सहयोग करने व उपस्थित होने के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

माउंट आबू इंटरनेशनल हाफ मैराथन में बारां रनर्स क्लब की शानदार भागीदारी

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा माउंट आबू में आयोजित 7वीं दादी प्रकाशमणी इंटरनेशनल हाफ मैराथन में बारां रनर्स क्लब के धावकों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। देश-विदेश से आए हजारों धावकों के बीच बारां के खिलाड़ियों ने अपनी फिटनेस, जुनून और अनुशासन का बेहतरीन परिचय देते हुए जिले और शहर का नाम रोशन किया। यह मैराथन न केवल खेल प्रतियोगिता थी बल्कि रन फॉर पीस एण्ड हैल्थ के संदेश के साथ आयोजित की गई।

इसमें प्रतिभागियों ने नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली और विश्व शांति का संदेश भी जन-जन तक पहुँचाया। बारां रनर्स क्लब के धावकों ने हाफ मैराथन (21 किमी) में हिस्सा लिया। सभी धावकों ने पूरी ऊर्जा और उमंग के साथ अपनी-अपनी दूरी पूरी की और शानदार टाइमिंग दर्ज की।

बारां रनर्स क्लब के विपिन गोयंका ने बताया कि मेराथॉन में मोहित सिंह हाडा, डॉ. निखिल गुप्ता, डॉ. संजय मीणा, डॉ. संतोष मेहता, विकास मीणा, रवि सेन, विपिन गोयंका, हेमंत मेघवाल, अर्पित अग्रवाल ने भाग लिया और मेराथॉन को सफलता पूर्वक पूर्ण किया। क्लब के सदस्यों ने कहा कि यह अनुभव उनके लिए बेहद प्रेरणादायक रहा।

बड़े स्तर पर आयोजित इस मैराथन में भाग लेने से आत्मविश्वास बढ़ा है और अब उनका लक्ष्य है कि आने वाले समय में और अधिक धावक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करें। बारां रनर्स क्लब के डॉ. निखिल गुप्ता, संजय मीना ने बताया कि संस्था लगातार जिले में स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए रनिंग इवेंट्स और अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित करती रहती है।

इस तरह की भागीदारी से खेल संस्कृति को नई पहचान मिलेगी और आने वाली पीढ़ी भी फिटनेस के प्रति सजग होगी। अंत में क्लब ने माउंट आबू मैराथन के आयोजकों का आभार जताया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का संकल्प लिया।

हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002
Tel.: +912946622222, +917023509999
Web : www.narayanseva.org
E-mail : info@narayanseva.org

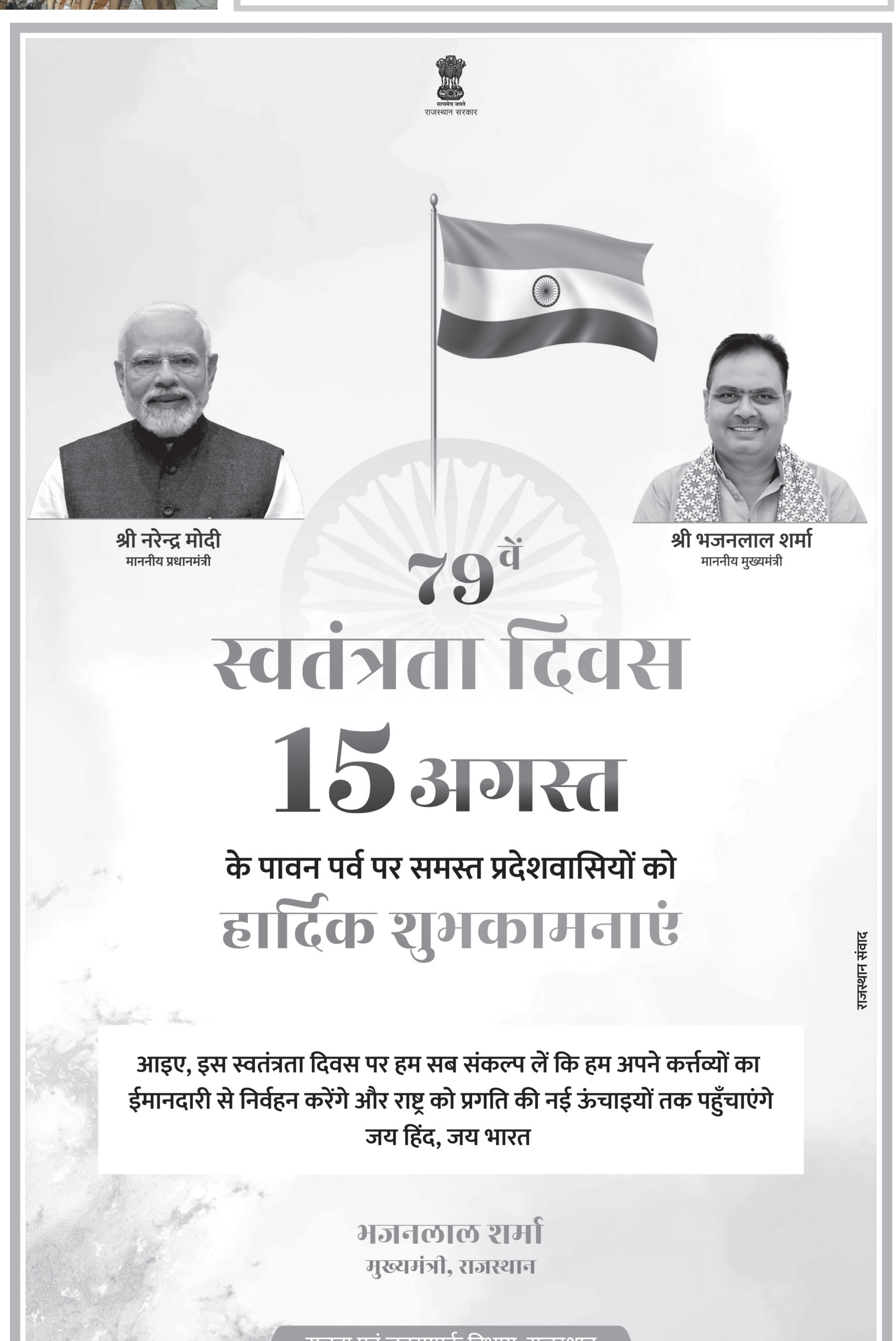

पाली में पहली बार खिदमत-ए-खल्क ने आयोजित किया सांइस शो

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। खिदमत-ए-खल्क चैरीटेबल ट्रस्ट ने घोसी समाज भवन पाली में साइंस शो का आयोजन किया जिसमें दिल्ली के आसिफ सर ने साइंस शो बताकर छात्र छात्राओं में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने का कार्य किया इस साइंस शो में विभिन्न विद्यालयों के लगभग 350 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस शो का आयोजन करवाने के लिए घोसी समाज का विशेष सहयोग रहा, समाज की ओर से निशुल्क भवन उपलब्ध करवाया गया तथा घोसी समाज की ओर से छात्र छात्राओं के लिए पानी, आइसक्रीम व नाश्ते की व्यवस्था की गई। घोसी समाज ने दिल्ली से आए आसिफ सर व खिदमत-ए-खल्क पदाधिकारियों का स्वागत किया। घोसी समाज पंचायत भवन समिति के सदर इब्राहिम चौहान ने कहा कि खिदमत ए खल्क संस्था को आगे भी हमारा सहयोग जारी रहेगा इस मौके पर घोसी समाज पंचायत भवन समिति के इब्राहिम चौहान, मोहम्मद रईस सोलंकी, मोहम्मद रफीक भाटी, इकबाल भाटी, रफीक सोलंकी, मोहम्मद रोशन व समाज के मौजिज बाबू भाई मोयल,सफी चौहान, मोहम्मद न्याज, मोहम्मद शौकिन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। खिदमत-ए-खल्क चैरीटेबल ट्रस्ट के मुर्तजा हसन डॉ. आरिफ मोयल, मोहम्मद यासीन, असरफ कादरी, आमीन गौरी, आसिफ जोय,अमजद जोय, फरहान, सालिक,अनवार आलम, इमरान बेलिम,तौसिफ का कार्यक्रम में विशेष सहयोग रहा।

1500 सालाना ईद मिलादुन्नबी के पोस्टर का विमोचन किया

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मोहम्मद सद्दीक राजू ओर नसीम अली ने बताया कि जुलूस की तैयारी को लेकर मुफ्ती शेर मोहम्मद खान साहब रिजवी, सय्यद मोहियूद्दीन अशरफ, मुफ्ती आलमगीर मिस्बाही, सलीम पंवार, मोहम्मद साजिद ईदगाह, साजिद खान जोधाणा, कारी बरकत साहब, मौलाना अंजार, मोलाना अशरफ, मौलाना हुसैन अशरफी, मोलाना जाकिर, मुफ्ती बशीर नक्शबंदी, मौलाना रफीक, हाफिज जावेद रिज्वी, हाफिज आशकार, हाफिज नाजिम, मौलाना रेहान, हाफिज कमर, पीर जावेद मिनाई, मुबलिग रफीक, मास्टर हसनैन अशरफी, मौलाना मोहम्मद आसिफ, मौलाना अब्दुल माजीद, मौलाना अब्दुल रहीम, हाफिज मोहम्मद हुसैन के हाथों दारूल उलूम इस्हाकिया ओर जालोरी गेट ईदगाह में पोस्टर विमोचन करवाया गया। मुफ्ती शेर मोहम्मद खान साहब ने आह्वान किया कि इस बार जुलूस जुम्मे के होता है तो जुम्मे की नमाज अदा करने के लिए जुलूस समय पर शुरू हो और और नमाज से पहले खत्म हो 1500 साला ईद मिलादुन्नबी जुलूस के लिए विशेष आयोजन होंगे। मौलाना जावेद हुसैन ने बताया कि ओलमाए अहले सुन्नत की मान्यता के अनुसार इस बार 1500 साला ईद मिलादुन्नबी मनाया जाएगा एवं पूरे अदबो, एहतराम और अकीदत से जुलूस निकाला जाएगा व निरंतर 12 दिन तक नशे के विरुद्ध पोस्टर व बैनर द्वारा लोगों को जागरूक करने का काम किया जाएगा साथ ही साथ फिजूल खर्ची रोककर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आवाहन किया जाएगा ताकि आमजन अपने से पिछड़े लोगों की मदद कर सके और शिक्षा में सहयोग कर सके। साजिद खान ने बताया कि पोस्टर विमोचन के मौके पर नसीम अली, मोहम्मद जावेद, एडवोकेट अब्दुल खालिद, मोहम्मद सलीम मुन्ना, मोहम्मद सदीक राजू, मोहम्मद इरफान कुरैशी, मोहम्मद कायम, उमर सामरिया, मोहसिन अत्तारी, आसिफ नूरी, हेदर नुरी, हेदर अली, नासिर हुसैन, मोहम्मद शाहरुख, इमरान कुरेशी, जुल्फिकार अली, नूर मोहम्मद इफ्तिकार अहमद, सिराजुद्दीन, नफीस अहमद, वाजिद उस्ताद आजाद सहित ओलमाए अहले सुन्नत, जोधपुर के तमाम बुद्धिजीवी, विद्वान और तमाम आशिकाने रसूल जोधपुर के हाथों से पोस्टर विमोचन करवाया गया। तंजीम अइम्मा ए अहले सुन्नत एवं आशिकाने रसूल कमेटी के तमाम जिम्मेदारों ने प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि 2023 2024 में निकाले गए जुलूस की तरह होगा इस बार भी जुलूस में टू व्हीलर, फोर व्हीलर, बैंड बाजे, ढोल ताशे, झांकियों नाबालिग बच्चे और महिलाओं पर जुलूस में पूर्ण प्रतिबंध रखा है। साजिद खान ने कहा कि इस बार जुलूस शुक्रवार को आ रहा है और शुक्रवार की नमाज को इस्लामी मान्यता अनुसार बहुत बड़ा माना जाता है इसलिए जुलूस सुबह जल्दी 7:30 बजे दरगाह हजरत अब्दुल लतीफ शाह दरगाह के यहां से रवाना होते हुए ईदगाह आकर जुम्मे की नमाज अदा करेगा।

जिला पुलिस अधीक्षक की पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध गोष्ठी सम्पन्न

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जय यादव आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला चूरू ने बताया कि 16 अगस्त को रिजर्व पुलिस लाईन चूरू के सभागार में जिले के समस्त अधिकारियों के साथ अपराध गोष्ठी ली गई। अपराध गोष्ठी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) चूरू तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ़ एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक त्वरित अनुसंधान सैल चूरू सहित जिले के समस्त वृताधिकारी एवं थानाधिकारी उपस्थित थे। पुलिस अधीक्षक जिला चूरू ने सर्किल तथा थानों में अपराधों व उनकी रोकथाम के लिए किये गये प्रयासो की जानकारी प्राप्त की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इंसदादी तथा माईनर एक्ट की कार्यवाही ज्यादा प्रभावी तरिके से करने पर जोर दिये जाने के निर्देश दिये गये। भारत सरकार द्वारा नये आपराधिक कानून बीएनएस एवं बीएनएसएस को प्रभावी रूप से संचालन हेतु राजस्थान राज्य को मॉडल स्टेट बनाया जाना है। इस सम्बन्ध में जिले के समस्त पुलिस अधिकारियो को राजस्थान मॉडल के अनुरूप नये आपराधिक कानून 2023 के अन्तर्गत सफल क्रियान्वयन हेतु दिशा-निर्देश दिये गये है। 60 व 90 दिन की समया अवधि में प्रकरणो का निस्तारण करने, मेडिकल करवाने के लिये तहरीर सीसीटीएनएस के माध्यम से भेजने, आईगोट कर्मयोगी एप का रजिस्ट्रेशन करने गुण्डा एक्ट, 107, बीएनएस राजपासा एवं अन्य अपराधियो के खिलाफ ऑनलाईन डाडा अपडेट करने तथा प्रत्येक कार्यवाही विवरण को सीसीटीएनएस मॉड्युल पर निरन्तर अपडेट करने हेतु निर्देशित किया गया। मालखाना में जप्त माल एवं धारा 52ए एनडीपीएस एक्ट में जप्त माल एवं वाहनो के निस्तारण बाबत आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। अपराध गोष्ठी से पूर्व एसआरकेपीएस प्रतिनिधि राजन चौधरी ने कोटपा पर विस्तृत जानकारी देते हुए युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने हेतु कोटपा की धारा 4,5,6 अ व ब तथा 7 का प्रभावी कियान्वयन करने पर बल दिया। चौधरी ने कहा कि माह में एक बार अभियान के माध्यम से कोटपा का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने तम्बाकू मुक्त विधालय, तम्बाकू मुक्त गॉव व तम्बाकू मुक्त युवा पिढ़ी बनाने के लिये पुलिस के सहयोग की अपील करते हुये कहा की तम्बाकू मुक्त चूरू बनाने में आमजन का भी सहयोग लेवे।

सांचौर में किसानों ने बीमा कंपनी का पुतला फूंका, नारेबाजी कर किया प्रदर्शन

-भारतीय किसान संघ के तत्वाधान में महापड़ाव जारी

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय किसान संघ के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष छोगाराम चौधरी के नेतृत्व में उपखण्ड मुख्यालय के समक्ष किसानों का धरना जारी है। इस दौरान किसानों ने बीमा कंपनी का पुतला जलाकर प्रदर्शन किया तथा मांगों को लेकर-एडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि 2022 के रबी सीजन का आदान अनुदान जारी करना शामिल है। साथ ही 2023 के खरीफ और रबी सीजन की खराब फसलों का मुआवजा दिया जाए। 2024 के खरीफ और रबी सीजन में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित फसलों का बीमा भुगतान किया जाए, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में क्रॉप कटिंग के समय कम्पनी कर्मचारी और पटवारी मनमाने ढंग से रिपोर्ट बनाते है। वे क्रॉप कटिंग कमेटी में खेत मालिक और चार पड़ोसी किसानों को शामिल करने की मांग कर रहे है। इस दौरान बिजली की समस्याओं पर किसानों ने आपति जताई है। ट्रांसफॉर्मर की उतराई-चढ़ाई का काम किसानों से कराया जाता है। एफआरटी टीम सिर्फ कागजों में है। किसानों ने स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को रोकने की मांग की है। नर्मदा नहर से सिंचाई से वंचित गावों को जोड़ने और पानी की आपूर्ति बढ़ाने की मांग भी की गई है। यूरिया व डीएपी की कमी दूर करने और नैनो यूरिया की अनिवार्यता समाप्त करने सहित विभिन्न मांगे रखी। किसानों ने चेतावनी दी कि मांगे पूरी नहीं होने पर महापड़ाव को तेज किया जायेगा। इस दौरान प्रदेश सह मंत्री हरीराम मांजू, सवाराम पुरोहित, पाबुराम विश्नोई, सोमाराम चौधरी, हरिसिंग राजपूत, सताराम चौधरी, चेणीदान चारण, जोगाराम चितलवाना, प्रभुराम, बाबुलाल, केवाराम चितलवाना, नेनाराम चितलवाना, पृथ्वीसिंह डबाल, पीराराम धायल, मसरूराम देवासी, नागजीराम चौधरी, मोहनलाल पुरोहित सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

जाहरवीर गोगाजी महाराज के मेले में लगा आस्था का मेला

-विधायक हरलाल सहारण ने किया भक्तों का सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जाहरवीर गोगा जी महाराज के मेले में विधायक हरलाल सहारण व जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने विभिन्न अखाड़ों के भक्तों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि हमारे लोक देवता गोगा जी महाराज की चूरू के लोगों में गहरी आस्था है और लोक देवताओं की मान्यता हमें आपसी सामंजस्य प्रेम एकता का संदेश देती है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में लोक मान्यताओं का गहरा अर्थ है। मान्यता है आमजन आस्था से इनके हाजिरी लगाता है उन्होंने इन्हें सांप्रदायिक सद्भाव के रूप में भी महत्वपूर्ण बताया। विभिन्न अखाड़ों के भक्तों का रुपयों की माला, साफा व मोमेंटो देकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधानसभा संयोजक पदम सिंह राठौड़ प्रधान दीप चंद्र राहड़ उप जिला प्रमुख महेंद्र न्यौल, अभिषेक चोटिया, मंडल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेंद्र राकसिया,विमला गढ़वाल, नरेंद्र काछवाल, सत्तार खान, गोगराज सैनी, जिला मंत्री दीन दयाल सैनी, दौलत तंवर, सुशील लता सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जामिया अरबिया इस्लामिया दारुल उलूम में स्वतंत्रता दिवस पर बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जामिया अरबिया इस्लामिया दारूल उलूम में 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूम धाम से मनाया। इस दोरान मुख्य अतिथि डॉ मुमताज अली कुरेशी एवं बाबु खान सनसिटी ने ध्वजारोहण कर प्रोग्राम का आगाज किया। बच्चों ने परेड की और सलामी दी। इसी कर्म में विशिष्ट अतिथि शौकत खान झारिया एडिशनल कमिश्नर रि, अयूब खान एडिशनल एसपी रि, डॉ. अहसान गौरी आसिफ खान यूथ जिला अध्यक्ष, डॉ. अख्तर खान, हाजी याकूब थीम, डॉ. मुस्तकम शेख, नूर मोहम्मद खान आबकारी अधिकारी, हाजी गनी खान दौलत खानी, मुंशी खान एलमान, सभी ने स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी एवं स्वतंत्रता दिवस के अहमियत के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में स्कूल एवं मदरसे के बच्चों ने विभिन्न-विभिन्न तरह के कार्यक्रम एवं नाते प्रस्तुत की कार्यक्रम में अनवर खान थानेदार, करामत खान, मास्टर फारूक, अब्दुल जब्बार, आसिफ खान, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन मुफ्ती इरशाद कासमी एवं प्रधानाध्यापक आवेश कुरैशी ने किया।

जोधाणा मंच द्वारा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 11000 तिरंगा चिन्ह वितरण किए

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। नवीन जोधाणा जागरण मंच संस्थान की ओर से हर साल की तरह इस साल भी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राजीव गांधी स्टैचू के पास 11000 तिरंगा चिन्ह वितरण किए गए और अतिथी सम्मान किया। संस्थापक साजिद खान ने बताया कि 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के मौके पर नशे के विरुद्ध नुक्कड़ नाटक किया गया नाटक में मोहम्मद सलीम मुन्ना, आसिफ नूरी और अध्यक्ष इमरान कुरेशी, ओर उस्मान नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। नुक्कड़ नाटक को लेकर जिला अध्यक्ष सलीम खान ने मंच द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए अभियान के लिए कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस दौरान एडवोकेट असलम खान, इकबाल अली रंगरेज, संरक्षक मोहम्मद इरफान कुरैशी, नसीम अली, राजु खान, जोधाणा युवा मंच के अध्यक्ष अकरम सांखला, इमरान खान, मोहम्मद सलीम मुन्ना, शौकत कुरैशी, शकील अहमद, ताजदार अब्बासी, मोहम्मद समीर, राजु खान, शाहरुख खान, मोहम्मद लियाकत, मोहम्मद समीर, मोहम्मद उस्मान, मोहम्मद अशफाक, सोहेल जिन्दरान, इफ्तिखार अहमद मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद अली, समीर बेलिम, आरिफ राठोर, आदि उपस्थित रहे।

शिफा अकेडमी में स्वतंत्रता दिवस पर कई कार्यक्रम हुए

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित शिफा एकेडमी में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। शिफा अकेडमी के डायरेक्टर असलम खा गोड़ ने झंडारोहन किया। मौलाना हारून रिजवी ने कुराने-ए-करीम की तिलावत के साथ प्रोग्राम का आगाज किया छोटे छोटे बच्चों ने दीन-दुनियों के बारे मे अपने प्रोग्राम को आगे बढ़ाया। आलिया श्रमाइरा,आइशा, तमन्ना, अक्सा, शोइबा, शादाब परवेज, लनाया,नदिम गोड़, अलहसीब ने शानदार नज्मो और कविताओं से माहौल को देशभक्ति में बदल दिया। कार्यक्रम का संचालन सानिया माही ने किया। जिसमें विद्यालय के अन्य सदस्यो इमरान अहमद, समीर खान, निशा बहलीम सबीहा कुरेशी, सबाना खान, तस्नुम, शहनाज, खसार व तौकिर हसन ने भरपूर सहयोग किया। कार्यक्रम के अन्त में निर्देशक मोहम्द असलम गौड ने स्वतंत्रता दिवस के बारे में बताया। आए हुए अभिभावको, अतिथियों एवं बच्चों के माता-पिता का शुक्रिया अदा किया। अन्त में बच्चों को इनामात देते हुए प्रिंसिपल शराफत खान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हिन्दुस्तान जिंक में कार्यरत युवा कर्मचारियों के सम्मान में इकोज ऑफ टुमॉरो अभियान की शुरुआत

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर, दुनिया की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक और शीर्ष पांच सिल्वर उत्पादकों में से एक, हिन्दुस्तान जिंक, अपने युवा कार्यबल के उत्साह, महत्वाकांक्षा और नए विचारों का सम्मान कर रहा है। अपने 62 प्रतिशत कार्यबल की उम्र 35 वर्ष से कम होने के साथ, हिन्दुस्तान जिंक, मेटल और माइनिंग इंडस्ट्री में चली आ रही पुरानी सोच को बदल रहा है। यह दर्शाता है कि धातु उद्योग का भविष्य टेक्नोलॉजी, सस्टेनेबिलिटी और दूरदर्शी युवा प्रतिभाओं में है। ये युवा कर्मचारी सिर्फ भविष्य के अग्रणी नहीं हैं, बल्कि आज के बदलाव लाने वाले हैं, जो विचारों को नया रूप दे रहे हैं, बदलाव ला रहे हैं, और उद्योग के भविष्य की झलक दिखा रहे हैं।

इस दिन को यादगार बनाने के लिए, हिन्दुस्तान जिंक ने इकोज ऑफ टुमॉरो अभियान की शुरुआत की है, जिसमें एक ब्रांड फिल्म दिखाई गई है। यह फिल्म 12 अगस्त को लॉन्च होगी, और इसमें युवा कर्मचारियों के जुनून, उनकी प्रतिभा और उनके असर को दिखाया जाएगा। यह फिल्म दर्शाएगी कि कैसे यह जोशीला कार्यबल इनोवेशन को बढ़ावा दे रहा है, सस्टेनेबिलिटी को अपना रहा है और माइनिंग को एक तकनीकी-आधारित, भविष्य के लिए तैयार क्षेत्र में बदल रहा है। हिन्दुस्तान जिंक के युवा कर्मचारी इंजीनियरिंग, पर्यावरण, डिजिटलाइजेशन और ऑटोमेशन में बदलाव लाने में सबसे आगे हैं। एआई पावर्ड मिनरल एक्सप्लोरेशन मॉडल लगाने से लेकर सस्टेनेबिलिटी इनोवेशन को लागू करने तक, ये युवा माइनिंग को सुरक्षित, स्मार्ट और अधिक सस्टेनेबल बनाने में सबसे आगे हैं।

हिन्दुस्तान जिंक के सीईओ, अरुण मिश्रा ने कहा, हिन्दुस्तान जिंक में, हमारी ताकत युवा दिल और तेजी से कार्य करने में है, एक ऐसा कार्यबल जो नई सोच को एक साझा उद्देश्य के साथ मिलाता है। हम एक वैश्विक लीडर की स्थिरता और पहुँच को एक नई उम्र के उद्यम की मजबूती और गति के साथ जोड़ते हैं। निरंतर सीखने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करती है कि हर कर्मचारी तेजी से बदलती दुनिया में इनोवेशन करने, नेतृत्व करने और सफल होने के लिए तैयार है। इस अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर, हम अपने लोगों को केवल योगदानकर्ताओं के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे उत्प्रेरक के रूप में मानते हैं जो बदलाव ला रहे हैं, टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ा रहे हैं, और देश और ग्रह के लिए सस्टेनेबल भविष्य को आकार दे रहे हैं।

दाई हलीमा हॉस्पिटल में स्वतंत्रता दिवस मनाया

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस के इस मुबारक मौके पर दाई हलीमा मेटरनिटी एंड जनरल हॉस्पिटल में जज़्बा-ए-वतन और खिदमत-ए-खलक का खूबसूरत संगम देखने को मिला। चेयरमैन जनाब रफ़ीक ने परचमकुशाई की, और रॉयल एंजेल स्कूल की प्यारी फातिमाओं ने पूरे जज़्बे और मोहब्बत के साथ राष्ट्रगान पेश किया। इस मौके पर बेटियों ने इस "शहर की शान" हॉस्पिटल का पूरा दौरा किया, और अपनी मासूम मुस्कुराहटों के साथ खुशी का इज़हार किया। उन्होंने कहा कि यह हॉस्पिटल आने वाली नस्लों के लिए एक इज़्ज़त और मील का पत्थर है—जहाँ इलाज के साथ-साथ इंसानियत और रहमत की खुशबू बिखरती है। फातिमाओं ने पुरी टीम का दिल से शुक्रिया अदा किया और वादा किया कि आने वाले वक़्त में वे इस हॉस्पिटल के लिए दुआ भी करेंगी और हर तरह से इसे बुलंदियों पर ले जाने में अपना हिस्सा डालेंगी। हम दुआ करते हैं कि अल्लाह तआला इस हॉस्पिटल को हमेशा खैर, बरकत और कामयाबी से नवाज़े, और इस खिदमत को सवाब-ए-जारीया बनाए।

सीरत सराय चैरिटी ट्रस्ट में ध्वजारोहण

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। सीरत सराय चैरिटी ट्रस्ट में 79वा स्वतंत्रता दिवस समारोह पारम्परिक एंव सादगी पूर्ण तरीके से मनाया गया। प्रातः 11:00 बजे चैयरमेन जनाब शब्बीर अहमद शेख ने ध्वजारोहण किया। सेकेट्री जनाब अब्दुल सलाम मंसूरी ने स्वतंत्रता दिवस पर विस्तृत प्रकाश डाला। बच्चों ने कौमी तराना प्रस्तुत किया। संस्था के चैयरमेन जनाब शब्बीर अहमद शेख ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में बच्चों मे मिठाई वितरित कि गई।

स्वतंत्रता दिवस पर दावते इस्लामी ने लगाया ब्लड डोनेशन कैम्प

सादुलपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दावते इस्लामी के वेलफेयर डिपार्टमेंट गरीब नवाज रिलिफ फाउंडेशन ने 79 स्वतंत्रता दिवस पर सोनी ब्लड बैंक में ब्लड डोनेशन कैम्प लगाया। जिसमे बढ़ चढ़ कर नोजवानों ने ब्लड डोनेट किया। संस्था के शैख असलम अत्तारी ने बताया कि हमारा मकसद है कि कोई खुन कि कमी से ना मरे। जरुरत मंद को आसानी से खुन मील जाए। इसी उद्देश्य से आज यह ब्लड डोनेशन कैम्प लगाया गया है। इस मौके हाजी निसार चौहान एम डी, नसीम कुरैशी मुस्तका प्रधान, डाक्टर रामावतार सोनी, आमीन बैग, मास्टर सदिक खींची, यासीन खान पी टी आई, मुमताज खान, अलताफ चौहान, मदनी मरकज के इमाम वसीम रजा, डॉ. अय्यूब, डॉ. अकबर बैग, नौशाद, जब्बार, इसपाक आदि ने ब्लड डोनेट करने वालो को सर्टिफिकेट देकर आभार व्यक्त किया।

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाईन मैदान में जिला प्रशासन चूरू द्वारा आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025 के अवसर पर सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य के लिए अमन ट्रस्ट चूरू के अध्यक्ष उस्मान अंसारी को पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर चूरू अभिषेक सुराणा, पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। ज्ञात रहे अमन ट्रस्ट सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में विगत काफी वर्षों से उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य कर रहा है कोरोना काल में जिला प्रशासन चूरू की ओर से अमन ट्रस्ट को जिला मदर एनजीओ नियुक्त किया गया था।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनू के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/992844315

दार-अल-अरकम पब्लिक स्कूल में ध्वजारोहण किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के ईदगाह के सामने स्थित दार-अल-अरकम पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा ध्वजारोहण किया गया है। इस अवसर पर स्कूल मैनेजमेंट के पदाधिकारी एवं टीचिंग स्टाफ उपस्थित थे। स्कूल के बच्चे घर से स्वतंत्रता दिवस से संबंधित अच्छा-अच्छा प्रोजेक्ट बनाकर लेकर आए जिसने सबका मन मोह लिया। स्कूल के बच्चों ने रंगारंग वेशभूषा में तैयार होकर देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जिनमें खास तौर पर शहीदों के बलिदान की प्रस्तुतियों पर सभी की आंखें नम हो गई। दार-अल- अरकम स्कूल में बच्चों के व्यक्तित्व विकास एवं भविष्य निखार को ध्यान में रखकर स्टडी करवाई जाती है। जयपुर में दार-अल-अरकम स्कूल की खासियत है कि बच्चे भविष्य में क्या बन सकते हैं की पहचान की जाती है। प्रोग्राम में समापन पर बच्चों में मिठाई तकसीम की गई बच्चों की रंग बिरंगी पोशाके देखने लायक थी।

एनडीए ने सी.पी. राधाकृष्णन को बनाया उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार

नई दिल्ली। एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई नेताओं ने उन्हें बधाई दी। टीडीपी प्रमुख और आंध्र प्रदेश के सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू व केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने भी समर्थन जताया। राधाकृष्णन 2024 से महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं, इससे पहले वे झारखंड व तेलंगाना के राज्यपाल रह चुके हैं। 1998 और 1999 में कोयंबटूर से सांसद चुने गए और भाजपा तमिलनाडु के अध्यक्ष भी रहे। आरएसएस से जुड़े राधाकृष्णन का राजनीतिक जीवन चार दशकों से अधिक लंबा रहा है।

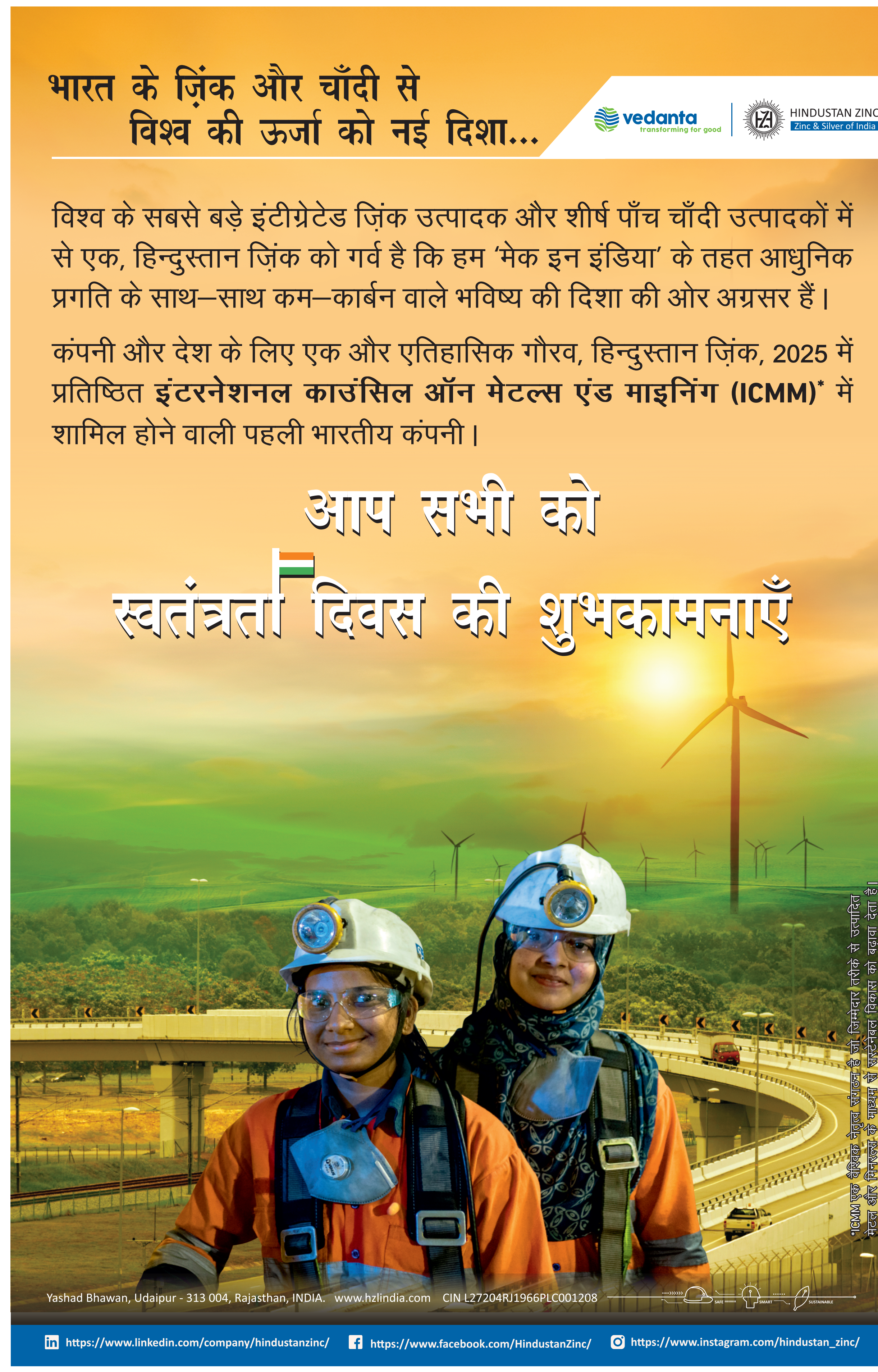

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।
संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com